पुणा International School
Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

# Claas-IV

# Hindi

# Specimen copy

# Year- 2022-23

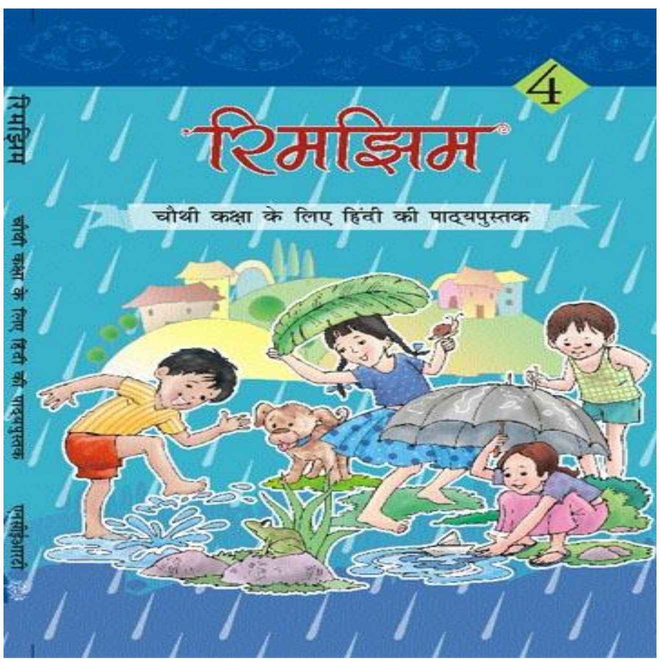

अनुक्रमणिका

| क्रम | महीना | पाठ का नाम | लेखक का नाम |
|---|---|---|---|
| अध्याय ८ | अक्टूबर | ➢ कविता : ८ कौन<br>➢ व्याकरण:क्रिया-विशेषण<br>➢ लेखन विभाग:निबंध<br>➢ गतिविधियाँ | सोहन लाल द्विवेदी |
| अध्याय ९ | नवम्बर | ➢ पाठ :९ स्वतंत्रता की ओर<br>➢ व्याकरण:वाक्य, विलोम शब्द<br>➢ लेखन विभाग: अनौपचारिक पत्र लेखन<br>➢ गतिविधिया | सुभद्रा सेन गुप्ता |
| अध्याय १० | नवम्बर | ➢ पाठ :१० थप्प रोटी थप्प दाल<br>➢ व्याकरण:वाक्य शूदंता, पयार्यवाची शब्द<br>➢ लेखन विभाग:चित्र लेखन<br>➢ गतिविधिया | रेखा जैन |
| अध्याय ११ | दिसंबर | ➢ कविता : ११ पढक्कु की सुझ<br>➢ व्याकरण:मुहावरे<br>➢ लेखन विभाग:औपचारिक पत्र<br>➢ गतिविधिया | रामधारी सिह दिनकर |
| अध्याय १२ | दिसंबर | ➢ पाठ :१२ सुनिता की पहिया कुर्सी<br>➢ व्याकरण:विराम चिह्न<br>➢ लेखन विभाग:संवाद लेखन<br>➢ गतिविधिया | |
| अध्याय १३ | जनवरी | ➢ कविता :१३ हुदहुद<br>➢ व्याकरण:शब्द समुह के लिए एक शब्द<br>➢ लेखन विभाग:अनुच्छेद<br>➢ गतिविधिया | |
| अध्याय १४ | जनवरी | ➢ पाठ :१४ मुफ्त ही मुफ्त<br>व्याकरण:<br>➢<br>➢ लेखन विभाग:संवाद लेखन<br>➢ चित्र लेखन<br>➢ गतिविधिया | म्मता पंडया |

# पाठः ८
# कौन
# लेखकःसोहन लाल द्विवेदी

**पाठ का सारः** कवि बच्चों से पूछता है कि वह कौन-सा शरारती जीव है जो हमारा इतना ज्यादा नुकसान करता रहता है? कवि पूछता है कि किसने हमारे बटन कुतर दिया, किसने स्याही को बिखरा दिया, किसने पूरे घर में अनाज फैला दिया। कौन दोने में से मिठाई उठा ले गया, किसकी वजह से तस्वीर के दो टुकड़े हो गए। वह जीव इतना शरारती है कि कभी चप्पल कुतर देता है तो कभी जूता, कभी किताबों के जिल्द काट डालता है तो कभी कागज कुतर देता है। वह शरारती जीव रातभर जागता रहता है और कुछ-कुछ आवाज करके हमें भी सोने नहीं देता। कवि स्वयं उस जीव का नाम नहीं बताता है बल्कि बच्चों से उसका नाम पूछता है।

कवि बच्चों से पूछता है कि वह कौन-सा शरारती जीव है जो हमारे बटन कुतर देता है, स्याही बिखरा देता है, छिपकर अनाज खा लेता है और पूरे घर में उसे बिखरा देता है। कौन ऐसा जीव है जो दोने में रखी मिठाइयाँ उठा ले जाता है, तसवीर में बँधी रस्सी काटकर उसे (तसवीर) गिरा देता है जिससे उसके दो टुकड़े हो गए।

शरारती जीव कभी चप्पल कुतर देता है तो कभी जूता। कभी थैली पर आक्रमण कर देता है जिससे उसमें से पैसे गिर जाते हैं। कवि फिर पूछता है कि वह कौन शरारती जीव है जो किताबों के जिल्द काटकर उनके पन्ने बिखरा । देता है। कौन छननी उठा ले जाता है जिसे मैं रोज धोकर टाँगता हूँ। कवि कहता है कि वह शरारती जीव कागज कुतरता रहता है जिससे पूरा घर रद्दी से भर जाता है। कवि उस जीव की तुलना कबाड़ी से करता है और कहता है कि कबाड़ी की तरह यह जीव दुनिया भर का कूड़ा लाकर घर में फैला देता है। कवि फिर बच्चों से पूछता है कि कौन रातभर कुछ-न-कुछ गड़बड़ करता रहता है और हमें सोने भी नहीं देता। खुर-खुर करता हुआ इधर-उधर भागता है। खाने की चीज हूँढ़ता है, फिर कोने में छिप जाता

## कठिन शब्द लिखिए

- शरारती जीव
- अलमारी
- नुकसान
- कागज
- कपड़े
- कुतरा
- बिखराया
- काटा
- कबाड़ी
- तस्वीर
- स्याही
- रस्सी
- आक्रमण

## शब्दार्थ लिखिए

- रद्दी : बेकार चीजें
- गड़बड़ : गलत
- खलीता : थैली
- पोथी : किताब

- चट कर गया : खा गया
- तसवीर : चित्र
- दुबक कर : छिपकर

**वैकल्पिक प्रश्नो के उत्तर लिखिए।**

१:स्याही को किसने बिखेरा?

उत्तरः(क)बिल्ली ने **(ख) चूहे ने**

(ग) बच्चे ने (घ) कूत्ते ने

२:दोने मे क्या रखा हुआ था?

उत्तरः**(क) मिठाई** (ख)पूडी

(ग) सब्जी (घ)कचौडी

३:तस्वीर के कितने टुकडे हो गए?

उत्तरः(क)तीन (ख)चार

**(ग) दो** (घ) पाँच

४:खलीता मे अनजाने मे क्या गिर जाता है?

उत्तरः(क)दूध **(ख)पैसा**

(ग) पानी (घ)रोटी

५: शरारती जीव क्या नही करने देता?

उत्तरः(क)खेलने (ख)पढने

(ग)सोने (घ)जाने

**निन्मलिखित प्रश्नो के अति लघु उत्तर लिखिए।**

१:कविता मे किसके बारे मे बताया गाय है?

उत्तरः कविता मे चूहे के बारे मे बताया गया है।

२:पूरे घर मे शरारती जीव ने क्या बिखेर दिया था?

उत्तरः पूरे घर मे शरारती जीव ने स्याही बिखेर दिया था।

३:कूडा कौन बीनता है?

उत्तरः कूडा कबाडी बीनता है।

४:वह शरारती जीव कहाँ छिप जाता है?

उत्तरः वह शरारती जीव कोनो मे छिप जाता है।

**निन्मलिखित प्रश्नो के लघु उत्तर लिखिए।**

१:दोना खाली क्यो रह गया?

उत्तरः दोना खाली रह गया क्यो कि मिठाई चूहा ले गया।

२:रातभर कौन जगता है?रातभर जागकर वह क्या- क्या करता है?

उत्तरःरातभर चूहा जगता है। रातभर जागकर वह खड-खड करता है।

**निम्नलिखित प्रश्नो के दीर्घ उत्तर लिखिए।**

१:घर मे किस -किस तरह की नुकसान हुआ है?

उत्तरः घर मे स्याही बिखेरी गई, जिल्द काटी गई, कागज फैलाए गए, अनाज बिखेरा गया और घर के अन्दर काफी नुकसान किया गया।

## व्याकरण विभागःक्रिया-विशेषण

क्रिया-विशेषण : क्रिया की विशेषता बताने शब्द क्रिया विशेषण कहलाते है।

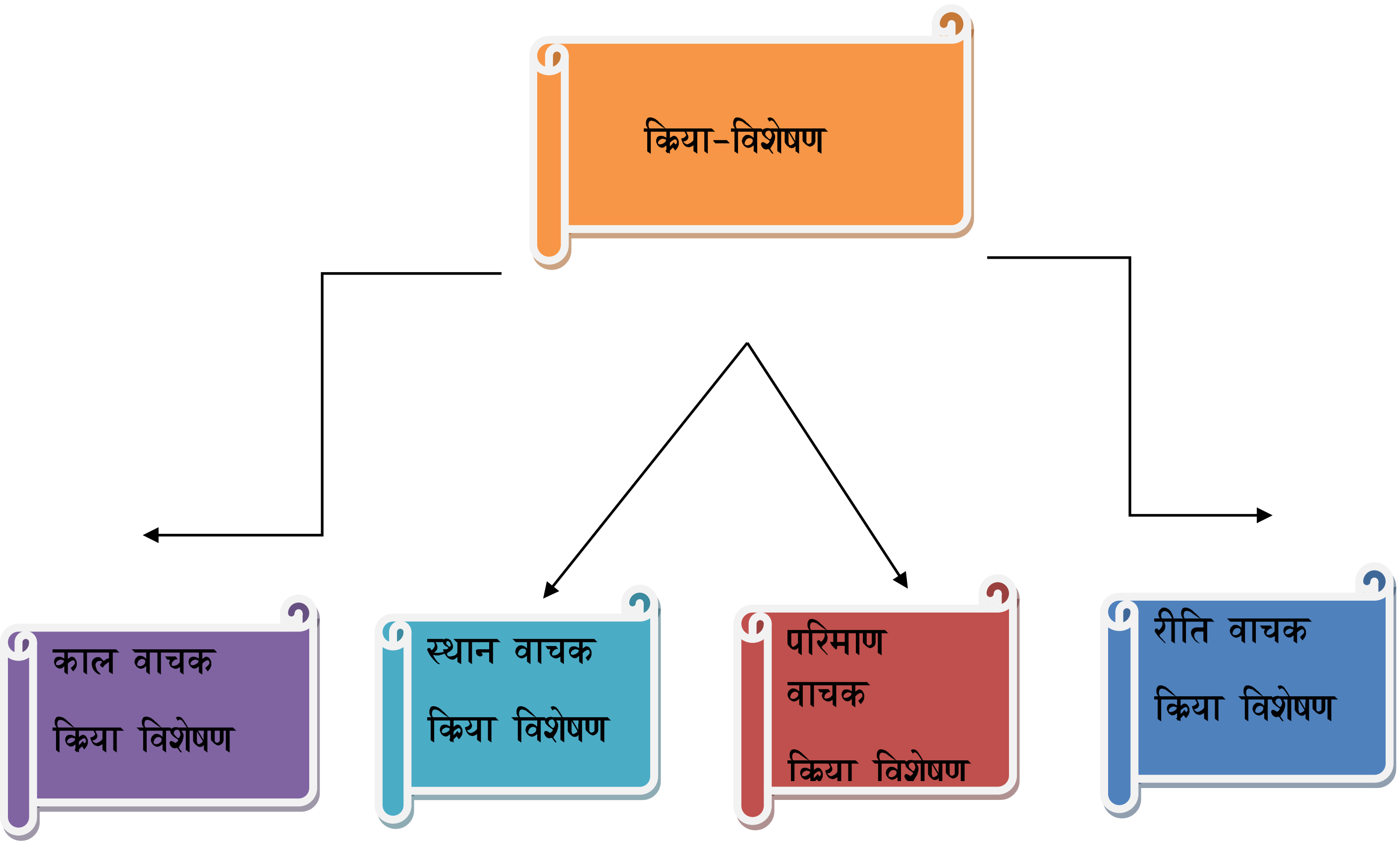


- **काल वाचक क्रिया विशेषण :** जो शब्द क्रिया के होने के काल समय का बोध कराता है, वे काल वाचक क्रिया विशेषण कहलाते है।

उदाहरण : प्रभा प्रतिदिन पढती है।
कुणाल बाजार से अभी लौटा है।
प्रियका सदा मुसकराती रहती है।
क्या तुम कल लौटोगे।

- **स्थान वाचक क्रिया विशेषण :** जो शब्द क्रिया के होने के स्थान का बोध कराता है, वे स्थान वाचक क्रिया विशेषण कहलाते है।

**उदाहरण :** बच्चा सीढियो से ऊपर चढ गया।

वहाँ मत बैठिए।

मनदीप इस ओर चला आर हा है।

रीना बाहर खेल रही है।

- **परिमाण वाचक क्रिया विशेषण :** जो शब्द क्रिंया की मात्रा परिमाण बताते है, वे परिमाण वाचक क्रिंया विशेषण कहलाते है।

**उदाहरण :** संदीप ने खुब पानी पिया।

इस बार गरमी अधिक पड़ रही है।

मैने आज कम भोजन किया।

टीना बहुत खाँस रही है।

- **रीतिवाचक क्रिया विशेषण :** जो शब्द क्रिया के होने के रीति का बोध कराते है ,वे रीतिवाचक क्रिया विशेषण कहलाते है।

**उदाहरण :** फूलदान जोर से गिरा।

दादी धीरे-धीरे कमरे की ओर बढी।

चुटकुला सुनकर सभी हसँते हसँते लोटपोट हो गए।

नकुल झूमता हुआ गाने लगा।

## लेखन विभाग :दीपावली

- दीपावली का त्योहार पांच दिनों तक चलने वाला सबसे बड़ा पर्व होता है।
- दशहरे के बाद से ही घरों में दीपावली की तैयारियां शुरू हो जाती है, जो व्यापक स्तर पर की जाती है।
- इस दिन भगवान श्रीराम, माता सीता और भ्राता लक्ष्मण के साथ चौदह वर्ष का वनवास पूर्ण कर अयोध्या लौटे थे।
- इसके अलावा दीपावली को लेकर कुछ और भी पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं।
- यह त्योहार कार्तिक माह की अमावस्या के दिन मनाया जाता है।
- अमावस्या की अंधेरी रात जगमग असंख्य दीपों से जगमगाने लगती है।
- कहते हैं भगवान राम 14 वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटे थे, इस खुशी में अयोध्यावासियों ने दीये जलाकर उनका स्वागत किया था।
- यह त्योहार लगभग सभी धर्म के लोग मनाते हैं।

- इस त्योहार के आने के कई दिन पहले से ही घरों की लिपाई-पुताई, सजावट प्रारंभ हो जाती है।
- नए कपड़े बनवाए जाते हैं, मिठाइयां बनाई जाती हैं।
- वर्षा के बाद की गंदगी भव्य आकर्षण, सफाई और स्वच्छता में बदल जाती है।
- लक्ष्मी जी के आगमन में चमक-दमक की जाती है।
- यह त्योहार पांच दिनों तक मनाया जाता है।
- धनतेरस से भाई दूज तक यह त्योहार चलता है।
- धनतेरस के दिन व्यापार अपने बहीखाते नए बनाते हैं।
- अगले दिन नरक चौदस के दिन सूर्योदय से पूर्व स्नान करना अच्छा माना जाता है।
- अमावस्या के दिन लक्ष्मीजी की पूजा की जाती है।

  खील-बताशे का प्रसाद चढ़ाया जाता है।
- नए कपड़े पहने जाते हैं।
- फुलझड़ी, पटाखे छोड़े जाते हैं।
- असंख्य दीपों की रंग-बिरंगी रोशनियां मन को मोह लेती हैं।
- दुकानों, बाजारों और घरों की सजावट दर्शनीय रहती है।
- अगला दिन परस्पर भेंट का दिन होता है।
- एक-दूसरे के गले लगकर दीपावली की शुभकामनाएं दी जाती हैं।
- गृहिणियां मेहमानों का स्वागत करती हैं।
- लोग छोटे-बड़े, अमीर-गरीब का भेद भूलकर आपस में मिल-जुलकर यह त्योहार मनाते हैं।
- दीपावली का त्योहार सभी के जीवन को खुशी प्रदान करता है।
- नया जीवन जीने का उत्साह प्रदान करता है।
- कुछ लोग इस दिन जुआ खेलते हैं, जो घर व समाज के लिए बड़ी बुरी बात है।
- हमें इस बुराई से बचना चाहिए।
- पटाखे सावधानीपूर्वक छोड़ने चाहिए।
- इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि हमारे किसी भी कार्य एवं व्यवहार से किसी को भी दुख न पहुंचे, तभी दीपावली का त्योहार मनाना सार्थक होगा।

**गतिविधियाँ-** चूहे का चित्र बनाए।

---

## पाठ :९
## स्वतंत्रता की ओर
## लेखकःसुभद्रा सेन गुप्ता

**पाठ का सारः** नौ साल का धनी अपने माता-पिता के साथ अहमदाबाद के पास महात्मा गाँधी के साबरमती आश्रम में रहता था। इस आश्रम में पूरे भारत से लोग रहने आते थे। गाँधीजी की तरह वे सब भी भारत की स्वतंत्रता के लिए लड़ रहे थे। आश्रम में सबको कोई न कोई काम करना होता, जैसे खाना पकाना, बर्तन धोना, गाय और बकरियों का दूध दुहना आदि। धनी का काम था बिन्नी नाम की बकरी की देखभाल करना।उस दिन जब धनी बिन्नी को घास खिला रहा था उस समय सभी गाँधीजी के कमरे में बैठकर कोई योजना बना रहे थे। धनी को सब बच्चा समझते थे लेकिन धनी का दावा था कि वह सबकुछ समझता है। वह बिन्नी को लेकर रसोईघर की ओर चला जहाँ उसकी माँ चूल्हा फैंक-फूककर खाना पका रही थी। माँ ने उसे बताया कि वे सब यात्रा पर जा रहे हैं। धनी कुछ और जानने के लिए तुरंत पूछ बैठा-कहाँ की यात्रा पर जा रहे हैं? लेकिन माँ ने डॉटकर उसे वहाँ से भगा दिया। इसके बाद धनी सीधा बिंदा चाचा के पास गया जो खेत में आलू खोद रहा था। बिंदा चाचा ने उसे बताया-गाँधीजी और उनके कुछ साथी गुजरात में पैदल चलते हुए, दांडी नाम की जगह पर समुद्र के पास पहुँचेंगे और वहाँ नमक बनाएंगे। नमक के नाम पर धनी चौंक उठा। उसकी नजर में नमक जब दुकान में मिल रहा है तो उसे बनाने की जरूरत नहीं है। उसने बिंदा चाचा से पूछा-गाँधीजी नमक को लेकर विरोध क्यों कर रहे हैं? यह तो समझदारी वाली बात नहीं है। इस पर बिंदा चाचा ने धनी को बताया कि सभी-भारतवासी को, चाहे वह कितना भी गरीब क्यों न हो उसे नमक पर कर देना पड़ता है। और तो और ब्रिटिश सरकार की ओर से भारतीय लोगों को नमक बनाने की मनाही भी है। महात्मा गाँधी ने ब्रिटिश सरकार को कर हटाने को कहा लेकिन उन्होंने यह बात ठुकरा दी। इसलिए उन्होंने निश्चय किया कि वे दांडी चलकर जाएंगे और समुद्र के पानी से नमक बनाएंगे। इतना सुनते ही धनी कहने लगा-तब तो गाँधीजी बड़े अक्लमंद हैं।धनी ने मन-ही-मन निश्चय कर लिया कि वह भी दांडी जाएगा। दोपहर के समय वह सीधा अपने पिता के पास पहुँचा

और अपना निर्णय उन्हें सुना दिया। पिताजी ने लाख समझाया लेकिन वह अपने निर्णय से नहीं हटा।फिर उन्होंने कहा-सिर्फ वे लोग जाएंगे जिन्हें महात्माजी ने खुद चुना है। इसपर धनी बोला-ठीक है मैं उन्हीं के पास जाऊँगा और उनसे अनुमति मागूंगा।अगले दिन धनी सुबह-सुबह गाँधीजी को ढूंढने निकला। वे गौशाला में गायों को देख रहे थे। फिर सब्जी के बगीचे में चले गए। अंत में, गाँधीजी अपनी झोंपड़ी की ओर चले । बरामदे में चरखे के पास बैठकर उन्होंने स्वयं धनी को पुकार लिया। खुशी-खुशी धनी उनके पास गया और हिम्मत करके उनसे पूछ ही लिया-क्या मैं आपके साथ दांडी चल सकता हूँ? गाँधीजी ने मुस्कुराते हुए कहा-तुम अभी छोटे हो, बेटा। सिर्फ तुम्हारे पिता जैसे नौजवान ही मेरे साथ दांडी की दूरी तय कर पाएँगे। इसपर धनी बोला–पर आप तो नौजवान नहीं हैं। आप नहीं थक जाएंगे? गाँधीजी कुछ सोचकर बोले-अगर तुम मेरे साथ जाओगे तो बिन्नी की देखभाल कौन करेगा? इतना चलने के बाद, मैं तो कमजोर हो जाऊँगा। इसलिए, जब मैं वापस आऊँगा तो मुझे खूब सारा दूध पीना पड़ेगा, जिससे कि मेरी ताकत लौट आए। धनी गाँधीजी की बात तुरंत समझ गया। उसने कहा-ठीक है, मैं आपके लिए बिन्नी की देखभाल करूंगा और आपका इंतजार भी।

## कठिन शब्द लिखिए

- गाँधीजी
- ताकत
- देखभाल
- नौजवान
- मुस्कुराते
- इंतजार
- निश्चय
- दूध
- बिन्नी
- निर्णय

## शब्दार्थ लिखिए

- बुद्धू-मूर्ख
- उतावला होना-धीरज खो बैठना
- खिलाफ-विरोध
- मनाही-रोक
- ठुकरा देना-मानने से इन्कार कर देना
- हिम्मत-साहस
- ताकत : शक्ति

## वैकल्पिक प्रश्नो के उत्तर लिखिए।

१:गाँधीजी के आश्रम मे रहने वाला धनी कितने साल का था?

उत्तर:(क) सात (ख)आठ

**(ग) नौ** (घ)दस

२:गाँधीजी की तरह सभी लोग किसके लिए लड रहे थे?

उत्तर:(क) धन के लिए **(ख)भारत की स्वतंत्रता के लिए**

(ग) भोजन के लिए (घ)योजना बनाने के लिए

३:गाँधीजी और उनके साथी कहाँ बैठकर योजना बना रहे थे?

उत्तरः(क) बगीचे मे **(ख)कमरे मे**

(ग) बरामदे मे (घ)आश्रम मे

४ःधनी ने बिन्नी को किससे बाँधा?

उत्तरः**(क) नीबू के पेड़ से** (ख)आम के पेड से

(ग) झाडी से (घ)रस्सी से

५ःगाँधीजी अपनी यात्रा पर किस प्रकार जा रहे थे?

उत्तरः(क)बस से (ख)ट्रेन से

**(ग) पैदल** (घ)हवाई जहाज से

**निन्मलिखित प्रश्नो के अति लघु उत्तर लिखिए।**

१ःधनी और उसके माता-पिता कहाँ रहते थे?

उत्तरः धनी और उसके माता-पिता साबरमती आश्रम मे रहते थे।

२ःबिन्नी कौन थी?

उत्तरः बिन्नी बकरी थी

३ःगाँधीजी कहाँ जा रहे थे?

उत्तरः गाँधीजी दांडी यात्रा पर जा रहे थे

४ःबूढ़ा बिंदा क्या खोद रहा था?

उत्तरः बूढ़ा बिंदा आलू खोद रहा था।

५ःक्या बूढ़ा बिंदा भी यात्रा पर जा रहा था?

उत्तरःनही , बूढ़ा बिंदा भी यात्रा पर नही जा रहा था।

**निन्मलिखित प्रश्नो के लघु उत्तर लिखिए।**

१ःसाबरमती मे सबको क्या करना पडता था?

उत्तरः साबरमती आश्रम मे सबको कोई न कोई काम करना पडता था।

२ःबिंदा ने धनी से बकरी को कहाँ और क्यो बाँधने के लिए कहा?

उत्तरः बिंदा ने धनी से बकरी को नीबू के पेड से बाँधने के लिए कहा क्यो कि वह पालक चबा रही थी।

३ःगाँधीजी किसी बात का विरोध करने के लिए क्या करते थे?

उत्तरः ःगाँधीजी किसी बात का विरोध करने के लिए सत्याग्रह करते और जुलुस निकाला करते थे।

४ःधनी ने बापूजी से मिलने का निश्चय क्यो किया?

उत्तरः धनी ने बापूजी से मिलने का निश्चय किया क्यो कि वह बापू के साथ दाडी यात्रा पर जाना चाहता था।

**निम्नलिखित प्रश्नो के दीर्घ उत्तर लिखिए।**

१:धनी कौन था? आश्रम मे उसका क्या कार्य था?

उत्तर:धनी एक नौ साल का बच्चा था।जो अपने माता-पिता के साथ साबरमती आश्रम मे रहता था।वह आश्रम मे बिन्नी नाम की बकरी का ध्यान रखता था।

२:बिंदा ने धनी को गाँधीजी की यात्रा के बारे मे क्या बताया?

उत्तरः बिंदा ने धनी को गाँधीजी की यात्रा के बारे मे बताया कि वे दाडी तक चल कर जाएगे और समुद्र के पानी से नमक बनाएगे।

३:गाँधीजी ने धनी को अपने साथ न चलने के लिए कैसे मनाया?

उत्तरः गाँधीजी ने धनी को अपने साथ न चलने के लिए मनाते हुए कहा कि तुम आश्रम मे रहकर बिन्नी की देखभाल करो।

**सही कथन पर सही और गलत पर गलत का निशान लगाए।**

१:बिन्नी धनी की सबसे अच्छी दोस्त थी। ( सही )

२:बिदा ने धनी के सवालो का जवाब देने से मना कर दिया। ( गलत )

३:भारतीयो को नमक बनाने की मनाही थी। ( सही )

४:धनी के पिता बडे आराम से पेड के नीचे बैठे हुए थे। ( गलत )

५:धनी भी गाँधीजी के साथ यात्रा पर गया। ( गलत )

**रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।**

१:बिन्नी ने **घास** चबाते हुए सिर हिलाया।

२:तुम्हारे सब सवालो के जवाब दूगाँ पहले इस **बकरी** को बाँधो।

३:गाँधीजी ब्रिटिश सरकार के खिलाफ **सत्याग्रह** के जुलूस निकालते है।

४: ब्रिटिश सरकार के लिए यह बडी **शर्म** की बात होगी।

५:महात्मा जी ने ब्रिटिश सरकार को **कर** हटाने को कहा।

**व्याकरण विभाग :वाक्य और विलोम शब्द**

दो या दो से अधिक पदों के सार्थक समूह को, जिसका पूरा पूरा अर्थ निकलता है, वाक्य कहते हैं। उदाहरण के लिए 'सत्य की विजय होती है। ' एक वाक्य है क्योंकि इसका पूरा पूरा अर्थ निकलता है किन्तु 'सत्य विजय होती।

# वाक्य के प्रकार

वाक्य दो प्रकार के होते है।

1. रचना के आधार पर
2. अर्थ के आधार पर

## 1. रचना के आधार पर

रचना के आधार पर वाक्य तीन प्रकार के होते है।

सरल वाक्य: सरल वाक्य में एक उद्देश्य के साथ-2 केवल एक ही समायिका और एक विधेय होते हैं सरल वाक्य कहलाते हैं। उदाहरण:- बच्चे क्रिकेट खेलते हैं।
संयुक्त वाक्य: दो या दो से अधिक सरल वाक्य योजक शब्दों के द्वारा जुड़कर बनते हैं संयुक्त वाक्य को विभाजित करने पर पुनः सरल वाक्य प्राप्त होते हैं। उदाहरण:- राम आया और सो गया।
मिश्र वाक्य: जिन वाक्यों में एक प्रधान उपवाक्य और इस उपवाक्य पर एक या एक से अधिक आश्रित उपवाक्य होते हैं यह सभी आपस में कि, जो, की, इतना, उतना, इधर, उधर, कब, कितना, जब ,तब जैसा, वैसा, वह, आदि, शब्दों, से जुड़े होते हैं।

## 2. अर्थ के आधार पर

अर्थ के आधार पर वाक्य आठ प्रकार के होते है।

विधिवाचक वाक्य: वह वाक्य जिससे किसी प्रकार की जानकारी प्राप्त होती है, वह विधानवाचक वाक्य कहलाता है।
उदाहरण :

- भारत एक देश है
- राम के पिता का नाम दशरथ है
- दशरथ अयोध्या के राजा हैं

प्रश्नवाचक वाक्य: वह वाक्य जिसके द्वारा किसी प्रकार प्रश्न किया जाता है, वह प्रश्नवाचक वाक्य कहलाता है।
उदाहरण :

- हुमायूं किसका पुत्र था?
- राम के पिता कौन थे?
- राजा जनक कहाँ के राजा थे?

निषेधवाचक वाक्य: जिन वाक्यों से कार्य न होने का भाव प्रकट होता है, उन्हें निषेधवाचक वाक्य कहते हैं।

- उदाहरण : मैंने दूध नहीं पिया।
- मैंने खाना नहीं खाया।

आज्ञावाचक वाक्य : वह वाक्य जिसके द्वारा किसी प्रकार की आज्ञा दी जाती है या प्रार्थना किया जाता है, वह विधिसूचक वाक्य कहलाता हैं।
उदाहरण :

- बैठो।
- बैठिये।

- कृपया बैठ जाइये।
- शांत रहो।
- कृपया शांति बनाये रखें।

संदेहवाचक वाक्य: जिन वाक्यों में संदेह का बोध होता है, उन्हें संदेहवाचक वाक्य कहते हैं।
उदाहरण :

- क्या वह यहाँ आ गया?
- क्या उसने काम कर लिया?

विस्मयादिवाचक वाक्य : वह वाक्य जिससे किसी प्रकार की गहरी अनुभूति का प्रदर्शन किया जाता है, वह विस्मयादिवाचक वाक्य कहलाता हैं।
उदाहरण :

- अहा! कितना सुन्दर उपवन है।
- ओह! कितनी ठंडी रात है।
- बल्ले! हम जीत गये।

इच्छावाचक वाक्य : जिन वाक्यों में किसी इच्छा, आकांक्षा या आशीर्वाद का बोध होता है उन्हें कहते हैं।
उदाहरण :

- भगवान तुम्हे दीर्घायु करे।
- नववर्ष मंगलमय हो।

संकेतवाचक वाक्य: जिन वाक्यों में किसी संकेत का बोध होता है, उन्हें संकेतवाचक वाक्य कहते हैं।
उदाहरण :

- राम का मकान उधर है।
- सोनु उधर रहता है।

## विलोम शब्द किसे कहते है

जो शब्द अर्थ के स्तर पर एक-दूसरे के विरोधी होते हैं उन्हें विलोम शब्द कहते हैं
विलोम शब्दों को विपरीतार्थक शब्द भी कहा जाता हैं।

अर्थात किसी भी शब्द का विपरीत या बिल्कुल उल्टा अर्थ देने वाले शब्दों को विलोम शब्द कहते हैं।
अतः विलोम का अर्थ हैं उल्टा' या विरोधी' अर्थ देने वाला एक दूसरे के विपरीत' या उल्टा' अर्थ देने वाले शब्द विलोम शब्द कहलाते हैं।
विलोम शब्द को अंग्रेजी में Antonyms कहते हैं।

उदाहरण :

| | |
|---|---|
| दिन | रात |
| सुबह | शाम |
| सत्य | असत्य |
| ज्ञान | अज्ञान |
| नवीन | प्राचीन |
| मान | अपमान |
| अंतर्मुखी | बहिर्मुखी |
| आजाद | गुलाम |
| अ धकतम | न्यूनतम |
| अंधेरा | उजाला |
| अतिवृष्टि | अनावृष्टि |
| अत्य धक | अत्यल्प |
| अंतरंग | बाहरी |
| अंधकार | प्रकाश |
| न्यूनतम | अ धकतम |
| अंदर | बाहर |
| अंदरूनी | बाहरी |
| अगम | सुगम |
| सक्षम | अक्षम |
| अनुकूल | प्रतिकूल |
| अनुज | अग्रज |
| अनुराग | वराग |

| अनुलोम | प्रतिलोम |
|---|---|
| जल | अग्नि |
| आकर्षण | वकर्षण |

| अंगीकार | इनकार |
|---|---|
| अमावस्या | पू र्णमा |
| चल | अचल |
| अमृत | वष |
| अल्पसंख्यक | बहुसंख्यक |
| अनुरक्ति | वरक्ति |
| अगला | पछला |
| पूर्वाह्न | अपराह्न |
| खाद्य | अखाद्य |
| पुरातन | अधुनातन |
| चर | अचर |
| ज्ञानी | अज्ञानी |
| अतिवृष्टि | अनावृष्टि |
| कर्मण्य | अकर्मण्य |
| अनुरक्त | वरक्त |
| सुकीर्ति | अपकीर्ति |
| आदि | अंत |
| नित्य | अनित्य |
| अपना | पराया |
| लौ कक | अलौ कक |

## लेखन विभाग :पत्र लेखनः अनौपचारिक पत्र

### मित्र को अपने जन्मदिन पर आमंत्रित करने हेतु पत्र।

७२, कंकड़बाग,
वीरप्रताप सोसायटी,
पटना।
२७, अप्रैल, २०२१
प्रिय राघव,
तुम्हे याद होगा कि ९ मई को मेरा जन्मदिन है।हर वर्ष की तरह इस बार भी मेरे माता-पिता जन्मदिन के अवसर पर पार्टी का अयोजन कर रहे है।मेरी हार्दिक इच्छा है कि तुम इस पार्टी मे शामिल होकर मुझे प्रसन्नता प्रदान करो।

इस बार केक काटने के साथ- साथ संध्या संगीत का भी आयोजन रखा गया है।पार्टी शाम को ६ बजे से शुरू होगी तो तुम्हे अपने परिवार के साथ आना है।मै तुम्हारा इंतजार करूँगा।

अपने माता-पिता को मेरा प्रणाम कहना और छोटी बहन को प्यार देना।

तुम्हारा मित्र
सुरेश शर्मा

## गतिविधियाँ-गाँधीजी का चित्र बनाए।

## पाठः१०
## थप्प रोटी थप्प दाल
## लेखकः रेखा जैन

**पाठ का सारः** पर्दा उठता है और बच्चे मंच पर खेलते हुए दिखाई देते हैं। अचानक मुन्नी अपने घर से भागी-भागी वहाँ आती है और नीना से रोटी का खेल खेलने को कहती है। वह उसे बताती है कि उसने अपनी माँ से आटा, घी, दाल, दही, साग, चीनी मक्खन सब चीजें ले ली हैं और अब उसके साथ रोटी का खेल खेलेगी। नीना तैयार हो जाती है और उसके साथ बाकी बच्चे भी। बच्चों के बीच काम का बँटवारा होता है। टिंकू को बाजार से साग-सब्जी लाने का काम मिलता है और चुन्नु को दाल बनाने का काम। सरला दही का मट्ठा चलाएगी और तरला मुन्नी के साथ रोटी बनाएगी।

टिंकू ने बड़ियाँ पकाईं और चुन्नू ने दाल पकाई। लड़कियाँ रोटी बनाने का अभिनय करती हैं। वे गाती हैं-थप्प रोटी थप्प दाल, खाने वाले हो तैयार। अब सभी बच्चे मंच पर रोटी-दाल खाने का अभिनय करते हैं। वे आधा खाना खाते हैं और आधा बचाकर रखते हैं फिर सो जाते हैं। अचानक बिल्ली का प्रवेश होता है। वह म्याऊँ करके चारों ओर देखती है और छींके पर से मक्खन और रोटी लेने का अभिनय करती है। वह रोटी खाकर तुरंत भाग जाती है। ठीक उसी समय सरला जाग जाती है और मक्खन के बर्तन को खाली देखकर चिल्लाती है-मक्खन-मलाई कहाँ गई? बच्चे कहते हैं-वह तो बिल्ली चट कर गई। सभी बच्चे बिल्ली की खोज में जुट जाते हैं। कुछ अंदर जाते हैं, कुछ बाहर आते हैं। कुछ रंगमंच पर सामने की ओर देखते हैं, कभी बैठकर नीचे झुककर देखने का अभिनय करते हैं। तभी तरला-सरला चीखकर कहती हैं-बिल्ली मिल गई।

बिल्ली घबराई हुई-सी रंगमंच पर आती है और सभी उसे पकड़ लेते हैं। वे उसे हँसकर मारने का अभिनय करते हैं। बिल्ली, कहती है-अगर तुम सब लोग ऐसे ही टाँग पसारकर सो जाया करोगे तो मैं जरूर खाऊँगी। यह कहकर बिल्ली भागने की कोशिश करती है। सब बच्चे उसे घेर लेते हैं। तीन-चार बार ऐसा करने के बाद बिल्ली घेरा छोड़कर भाग जाती है। सारे बच्चे पकड़ने के लिए उसके पीछे दौड़ पड़ते हैं।

## कठिन शब्द लिखिए

- बिल्ली
- बच्चे
- अ भनय
- रंगमंच
- ब ड़याँ
- आटा
- घी
- दाल
- दही
- साग
- चीनी
- मक्खन

## शब्दार्थ लिखिए

- तरकारी : सब्ज़ी
- करारी भूख : बहुत जोर की भूख
- मट्ठा : छाछ

- भात : पकाया हुआ चावल
- पसारना : फैलाना

**वैकल्पिक प्रश्नो के उत्तर लिखिए।**

**१ःमुन्नी के साथ रोटी कौन बनाता है?**

उत्तरः(क) सरला (ख) तरला

(ग) चुन्नू (घ) नीना

२ःटिंकू क्या पकाता है?

उत्तरः**(क)बडियाँ** (ख)दाल

(ग)सब्जी (घ)रोटी

३ःखाना खाकर सारे बच्चे क्या करते है?

उत्तरः(क) घर जाते है (ख)बाहर चले जाते है

**(ग) सो जाते है** (घ)खेलते है

४ःछीकें पर गरम-गरम क्या रखा है?

उत्तरः(क) दाल (ख)भात

(ग) रोटी (घ)मटठा

५ःआँधी रात मे आकर रोटी और भात कौन खा जाता है?

उत्तरः(क)तरला (ख)सरला

**(ग)बिल्ली** (घ)टिकू

**निन्मलिखित प्रश्नो के अति लघु उत्तर लिखिए।**

१ःमुन्नी किसे पुकारती है?

उत्तरःमुन्नी नीना को पुकारती है।

२ःसरला क्या काम करना पंसद करती है?

उत्तरःसरला दही से मटठा चलाने का काम करना पंसद करती है।

३ःनीना क्या बन जाती है?

उत्तरःनीना बिल्ली बन जाती है।

**निन्मलिखित प्रश्नो के लघु उत्तर लिखिए।**

१ःनीना चुन्नू और टिकू से क्या काम करवाना चाहती है?

उत्तरः नीना चुन्नू और टिकू से दाल बनवाना चाहती है।

२ःसरला क्यो चिल्लाती है?

उत्तरःमाखन के बर्तन को खाली देखकर सरला चिल्लाती है।

३ःचुन्नू की पीठ क्यो दुःख रही थी?

उत्तरःचुन्नू की पीठ पर तरकारी का बोझ उठाकर लाया था इसलिए चुन्नू की पीठ दुःख रही थी

**निम्नलिखित प्रश्नो के दीर्घ उत्तर लिखिए।**

१ःबच्चे बिल्ली को कहाँ-कहाँ ढूँढते है?और बिल्ली किसे मिलती है?

उत्तरः बच्चे बिल्ली को ऊपर-नीचे, अंदर-बाहर और रंगमंच पर ढूँढते है।अंत मे बिल्ली सरला और तरला को मिलती है।

२ः बिल्ली क्या करती है?वह क्या - क्या खा जाती है?

उत्तरःजब सारे बच्चे खराटे मार कर सो जाते है तब बिल्ली आ जाती है।और वह माखन, रोटी, चावल दाल सब कुछ चट कर जाती है।

## सही कथन पर सही और गलत पर गलत का निशान लगाए।

१ःमुन्नी हाडी मे दाल पकाती है। ( गलत )

२ःबिल्ली आलसियो को सबक सिखाती है। ( सही )

३ःबच्चे बिल्ली को आसानी से पकड लेते है। ( गलत )

४ःबच्चा खेलता हुआ माँ के पास आता है। ( गलत )

५ःमुन्नी ने नीना को रोटी का खेल खेलने के लिए बुलाया। ( सही )

## रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

१ःनीना ने सब बच्चो को **रोटी** का खेल खेलने के लिए बुलाया।

२ः मटठा चलाने की **हाडी** लेकर अभिनय के साथ सरला **रंगमंच** पर आती है।

३ःमाँ बच्चे को **माखन** देने का अभिनय करती है।

४ःधुएँ की वजह से बच्चे आँख पोंछने लगते है।

५ःचुन्नू और टिंकू के दोस्त एक **पंक्ति** मे बैठ जाते है।

## व्याकरण विभागःपर्यायवाची शब्द

जिन शब्दों के अर्थ में समानता होती है, उन्हें समानार्थक या पर्यायवाची शब्द कहते है।

पर्याय' का अर्थ है- 'समान' तथा 'वाची' का अर्थ है- 'बोले जाने वाले' अर्थात जिन शब्दों का अर्थ एक जैसा होता है, उन्हें 'पर्यायवाची शब्द' कहते हैं।

समान अर्थवाले शब्दों को 'पर्यायवाची शब्द' या समानार्थक भी कहते है।

जैसे- सूर्य, दिनकर, दिवाकर, र व, भास्कर, भानु, दिनेश-

इन सभी शब्दों का अर्थ है 'सूरज' ।

इस प्रकार ये सभी शब्द 'सूरज' के पर्यायवाची शब्द कहलायेंगे।

| क्रमांक | शब्द | पर्यायवाची शब्द |
|---|---|---|
| 1 | अग्नि | आग, ज्वाला, दहन, वैश्वानर, वायुसखा, अनल, |

| | | |
|---|---|---|
| | | पावक, वहनि |
| 2 | असुर | नि शचर, रजनीचर, दैत्य, तमचर, राक्षस, निशाचर, दानव, रात्रिचर। |
| 3 | अलंकार | आभूषण, भूषण, वभूषण, गहना, जेवर। |
| 4 | अहंकार | गर्व, अ भमान, घमंड, मान। |
| 5 | अंधकार | तम, ति मर, त मस्र, अँधेरा, तमस, अं धयारा। |
| 6 | अंग | अंश, अवयव, हिस्सा, भाग। |
| 7 | अनादर | अपमान, अवज्ञा, अवहेलना, तिरस्कार। |
| 8 | अंकुश | नियंत्रण, पाबंदी, रोक, दबाव। |
| 9 | अंतर | भन्नता, असमानता, भेद, फर्क। |
| 10 | अंतरिक्ष | खगोल, नभमंडल, गगनमंडल, आकाशमंडल। |
| 11 | भाई- | तात, अनुज, अग्रज, भ्राता, भ्रातृ। |
| 12 | अंबर | आकाश, आसमान, गगन, फलक, नभ |
| 13 | अटल | अ वचल, अ डग, स्थिर, अचल। |
| 14 | अनमोल | अमूल्य, बहुमूल्य, बेशकीमती। |
| 15 | अनाथ | तीम, लावारिस, बेसहारा, अना श्रत। |
| 16 | अनुज | छोटा भाई, अनुभ्राता, कनिष्ठ। |
| 17 | अभद्र | असभ्य, अ वनीत, अकुलीन, अ शष्ट। |
| 18 | आँख | लोचन, अ क्ष, नैन, नयन, नेत्र, चक्षु, दृष्टि |

| | | |
|---|---|---|
| 19 | आईना | दर्पण, आरसी, शीशा। |
| 20 | आक्रोश | क्रोध, रोष, कोप, खीझ। |
| 21 | आचार्य | शक्षक, अध्यापक, प्राध्यापक, गुरु। |
| 22 | आरंभ | श्रीगणेश, शुभारंभ, प्रारंभ, शुरुआत |
| 23 | इंदु | चाँद, चंद्रमा, चंदा, श श, मयंक, महताब। |
| 24 | ईर्ष्या | वद्वेष, जलन, कुढ़न, ढाह। |
| 25 | उपवन | बाग़, बगीचा, उद्यान, वाटिका, गुलशन। |
| 26 | उषा | सुबह, भोर, ब्रह्ममुहूर्त। |
| 27 | ऋ ष | साधु, महात्मा, मुनि, योगी, तपस्वी। |
| 28 | एहसान | कृपा, अनुग्रह, उपकार। |
| 29 | ओंठ | ओष्ठ, अधर, लब, होठ। |
| 30 | ऐश्वर्य | समृद् ध, वभूति। |
| 31 | औरत | स्त्री, जोरू, महिला, नारी, वनिता, घरवाली। |
| 32 | औषधालय | च कत्सालय, दवाखाना, अस्पताल। |
| 33 | कमल | अर वन्द, पुष्कर, पंकज, नीरज, सरोज, जलज, जलजात, पुण्डरीक। |
| 34 | कपड़ा | वस्त्र, चीर, वसन, पट, अम्बर, परिधान। |
| 35 | कसान | कृषक, भू मपुत्र, हलधर, खेतिहर, अन्नदाता। |
| 36 | कान | कर्ण, श्रुति, श्रुतिपटल, श्रवण। |

| | | |
|---|---|---|
| 37 | कमजोर | निर्बल, बलहीन, दुर्बल, मरियल, शक्तिहीन। |
| 38 | कुसुम | पुष्प, फूल, प्रसून, पुहुप। |
| 39 | खग | पक्षी, द् वज,  वहग, नभचर, अण्डज, पखेरू। |
| 40 | गृह | घर, सदन, भवन, धाम, निकेतन, निवास, आवास, मंदिर। |
| 41 | गरि | पहाड़, मेरु, शैल, महीधर, धराधर, भूधर। |
| 42 | गोद | अंक, क्रोड़, गोदी। |
| 43 | चावल | तंदुल, धान, भात। |
| 44 | चूहा | मूसा, मूषक, मुसटा, ऊंदुर। |
| 45 | जल | मेघपुष्प, अमृत, वारि, नीर, पानी, जीवन, पेय |
| 46 | जगत | -संसार,  वश्व, जग, भव, दुनिया, लोक, भुवन। |
| 47 | जमीन | धरती, भू, भू म, पृथ्वी, धरा, वसुंधरा। |
| 48 | जलाशय | तालाब, ताल, पोखर, सरोवर। |
| 49 | तरुवर | वृक्ष, पेड़, द्रुम, तरु, पादप। |
| 50 | मछली | मीन, मत्स्य, झख, जलजीवन, शफरी |

## लेखन विभागःचित्र लेखन

3.

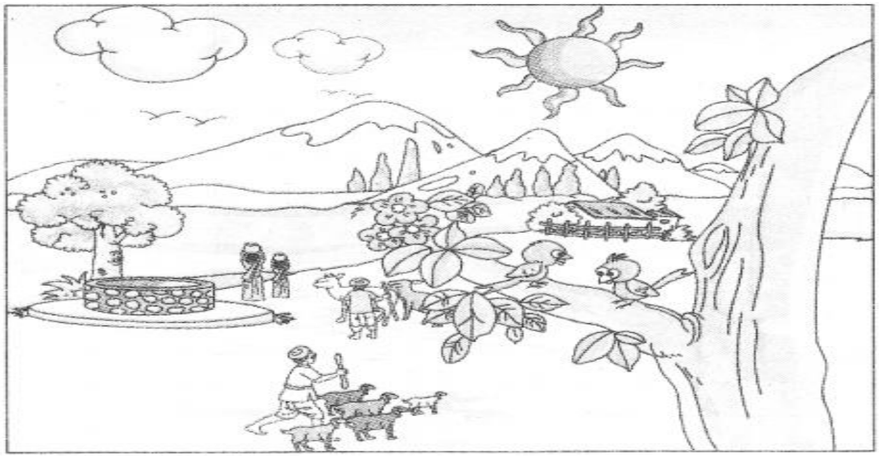

- यह दृश्य प्रातःकाल सूर्योदय का है।
- आसमान का रंग सूर्य की ला लमा  लए हुए एक अनूठी छटा बिखेर रहा है।
- कुछ पक्षी उड़ रहे हैं कुछ पेड़ की डाल पर बैठे उड़ने की तैयारी में हैं।
- दो घर दिखाई दे रहे हैं जिनके बाहर सुन्दर फूलों के पौधे हैं।
- सामने कुआँ है उसके पास एक बड़ा वृक्ष है।
- दो स्त्रियाँ  सर पर घड़े रखकर कुएँ से पानी लेने जा रही हैं।
- चरवाहा भेड़ों को चराने के  लए ले जा रहा है।
- पूरा दृश्य मनमोहक छटा बिखेर रहा है।
- प्रातःकाल का समय सबसे उत्तम समय माना जाता है।
- इस समय भ्रमण करने से मनुष्य का स्वास्थ्य अच्छा रहता है।

२ः

6.

- इस  चत्र में एक वृद्धाश्रम का दृश्य नज़र आ रहा है।
- इस  चत्र को देखकर हमारे समाज में फैली संवेदनहीनता की भावना उजागर हो रही है।
- हमारे माता- पता या बुज़ुर्गों जो हमारी सामाजिक व्यवस्था के स्तंभ होते हैं, उन्हें जिस समय पारिवारिक सहयोग तथा साथ की ज़रूरत होती है उस समय वृद्धाश्रमों में भेजकर आज का युवक अपनी जिम्मेदारी से मुँह मोड़ रहा है।

- यहाँ सभी बुजुर्ग एक-दूसरे के साथ बातें करते, सैर करते हुए, बैठकर कैरम तथा साँप-सीढ़ी जैसे खेल खेलकर अपना मनोरंजन करते हुए दिखाई दे रहे हैं।
- सभी के चेहरे पर दिखाई देने वाली मुस्कान बता रही है क इस पल में वे सभी प्रसन्न हैं।
- यदि उनकी मान सक स्थिति की बात की जाए तो निश्चित ही कहीं कसी कोने में वे अपने परिवार, अपने बच्चों की कमी अवश्य महसूस करते होंगे।
- ले कन मेरा यह सोचना है क आज की सामाजिक व्यवस्था को देखते हुए वृद्धों के लए इससे बेहतर और कोई जगह नहीं हो सकती जहाँ वे अपने हमउम्र के लोगों के साथ आनंदपूर्वक अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

**गतिविधियाँ-दाल और रोटी का चित्र बनाए।**

shutterstock.com · 1689571372

---

## पाठ:११
## पढ़क्कू की सूझ
## लेखकः रामधारी सिंह दिनकर

**पाठ का सारः** एक पढ़क्कू व्यक्ति था। वह तर्कशास्त्र पढ़ता था। तेज बहुत था। जहाँ कोई भी बात न होती, वहाँ भी नई बात गढ़ लेता था। एक दिन की बात है। वह चंता में पड़ गया क कोल्हू में बैल बिना चलाए कैसे घूमता है। यह बहुत गंभीर वषय बन गया उनके लए। सोचने लगे क मा लक ने अवश्य ही उसे कोई तरकीब सखा दी होगी। आ खरकार उसने मा लक से पूछ ही लया क बिना देखे तुम कैसे समझ लेते हो क कोल्हू का तुम्हारा बैल घूम रहा है या खड़ा हुआ है। मा लक ने जवाब दिया-क्या तुम बैल के गले में बँधी घंटी नहीं देख रहे हो? जबतक यह घंटी बजती रहती है तबतक मुझे कोई चंता नहीं रहती। ले कन जैसे ही घंटी से आवाज आनी बंद हो जाती मैं दौड़कर उसकी पूँछ पकड़कर ऐंठ देता हूँ। इसपर पढ़क्कू ने कहा-तुम तो बिल्कुल बेवकूफ जैसी बातें कर रहे हो। ऐसा भी तो हो सकता है क कसी दिन तुम्हारा बैल खड़ा-खड़ा ही गर्दन हिलाता रह जाए। तुम समझोगे क बैल चल रहा है ले कन शाम तक एक बूंद तेल भी नहीं निकल पाएगा। मा लक हँसकर पढ़क्कू से बोला-जहाँ से तुमने यह ज्ञान सीखा है वहीं जाकर उसे फैलाओ। यहां पर सब कुछ सही है क्यों क मेरा बैल अभी तक तर्कशास्त्र नहीं पढ़ पाया है। पढ़क्कू व्यक्ति तर्कशास्त्र पढ़ते थे। तेज थे। जहाँ कोई भी बात नहीं होती थी, वहाँ भी नई बात गढ़ लेते थे। एक दिन की बात है। बेचारे पढ़क्कू चंता में पड़ गए। लगे सोचने क आ खर कोल्हू में बैल बिना कसी के चलाए घूमता कैसे है।

कई दिनों तक वे इसी वषय पर सोचते रहे। उन्हें लगा क मा लक ने जरूर अपने बैल को कोई तरकीब सखा दिया होगा। पढ़क्कू से नहीं रहा गया एकदिन बैल के मा लक के पास पहुँच ही गए। पूछने लगे-आ खर तुम कैसे जान जाते हो क कोल्हू में लगा तुम्हारा बैल चल रहा है या रुका है? घूम रहा है या खड़ा है या फर जुगाली कर रहा है। मा लक ने जवाब दिया-अरे भाई, इसमें कोई बड़ी बात तो है नहीं। क्या तुम देखते नहीं हो क बैल के गर्दन में घंटी बँधी है? बस इसी से मैं समझ जाता हूँ क बैल चल रहा है या रुका है। पढ़क्कू को यह बात समझ में नहीं आ रही क कोल्हू में लगा बैल बिना कसी के चलाए घूमता कैसे है। वह बैल के मा लक से पूछ बैठता है इस वषय में बैल का मा लक उसे बताता है क बैल के गले में घंटी बँधी है। यह जबतक बजती रहती है तबतक उसे कोई चंता नहीं होती। ले कन जब घंटी से आवाज आनी बंद हो जाती है इसका मतलब है क बैल रुक गया है। फर वह उसकी पूँछ ऐंठ देता है और बैल चल पड़ता है। पढ़क्कू इसपर मा लक से कहता है-तुम तो बिल्कुल बेवकूफ जैसी बातें कर रहे हो। तुम भला तर्क शास्त्र की बातें कैसे समझ पाओगे कभी कसी दिन ऐसा भी हो सकता है क बैल एक ही जगह पर खड़ा-खेड़ा गर्दन हिलाता रह जाए। मा लक ने पढ़क्कू से कहा-बैल के गले में बँधी घंटी जबतक बजती रहेगी तबतक मुझे चंता की कोई जरूरत नहीं है। क्यों क इसका मतलब है क बैल चल रहा है। इस पर पढ़क्कू ने कहा-कभी कसी दिन ऐसा भी तो हो। सकता है क तुम्हारा बैल खड़ा-खड़ा ही गर्दन हिलाता रह जाए। तुम समझोगे क बैल चल रहा है ले कन शाम तक एक बूंद तेल भी नहीं निकल पाएगा। मा लक हँसकर पढ़क्कू से बोला-जहाँ से तुमने यह ज्ञान सीखा है वहीं जाकर उसे फैलाओ। यहाँ पर सब कुछ ठीक-ठाक है। तुम्हारी बात भ्रम फैलाने वाली है। अभी तक मेरा बैल तुम्हारा तर्कशास्त्र नहीं पढ़ पाया है। वह बिल्कुल सीधा-सादा है।

## कठिन शब्द लिखिए

- भ्रम
- बैल
- तर्कशास्त्र
- मा लक
- कोल्हू
- घंटी
- चंता
- बूंद
- तेल
- गर्दन
- तरकीब
- पढ़क्कू

## शब्दार्थ लिखिए

- पढ़क्कू : पढ़ने- लखने वाला
- तर्कशास्त्र : एक तरह का वषय जिसमें तर्क वद्या सखायी जाती है
- गढ़ते थे : बनाते थे
- फ़क्र : चंता
- गज़ब : व चत्र
- ढब : तरकीब, तरीका
- भेद : रहस्य, गुप्त बात
- अड़ता है : रुकता है
- पागुर : जुगाली
- फ़क्र : चंता
- तनिक- : थोड़ा
- धरता हूँ : पकड़ता हूँ
- कोरे : मूर्ख, बेवकूफ
- मंतिख : तर्कशास्त्र
- अड़ जाए : रुक जाए

## वैकल्पिक प्रश्नो के उत्तर लिखिए।

**१:निम्न मे से पढ़क्कू की विशेषता कौन सी थी?**

उत्तरः(क) बुद्धू (ख)मंदबुद्धि

**(ग) तेज** (घ) होशियार

**२: पढ़क्कू क्या पढते थे?**

उत्तरः**(क) तर्कशास्त्र** (ख)पढाकू

(ग)अर्थशास्त्र (घ)विज्ञान

**३: पढ़क्कू ,मालिक के बारे मे सोचते रहे कि वह**

उत्तरः**(क) गजब है** (ख)पढाकू है

(ग) लडाकू है (घ)अकड़ू है

**४:बैल की गर्दन मे क्या बँधी हुई थी?**

उत्तरः**(क) घंटी** (ख)रस्सी

(ग) घडी (घ)कुछ नही

**निम्नलिखित प्रश्नो के अति लघु उत्तर लिखिए।**

१:पढ़क्कू जहाँ कोई बात न होती वहाँ भी क्या करते थे?

उत्तर: पढ़क्कू जहाँ कोई बात न होती वहाँ भी नई बात गढ़ लेते है।

२:एक रोज फिक्र मे कौन पड गया?

उत्तर: एक रोज फिक्र मे पढ़क्कू पड गया।

३: जब बैल के गले मे बँधी घंटी नही बजती थी,तब मालिक क्या करता था?

उत्तर: : जब बैल के गले मे बँधी घंटी नही बजती थी,तब मालिक पूँछ पर वार करता था।

४:मालिक ने पढ़क्कू को कहाँ पर ज्ञान फैलाने के लिए कहा?

उत्तर: मालिक ने पढ़क्कू को कहा कि जहाँ से ज्ञान सीखा वही जाकर अपना ज्ञान फैलाओ।

**निम्नलिखित प्रश्नो के लघु उत्तर लिखिए।**

१: पढ़क्कू क्या बात नही समझ पाया?

उत्तर: पढ़क्कू यह नही समझ पाया कि बैल लगातार घूमता क्यो रहता है।

२:बैल के गर्दन मे घंटी बाँधने का क्या कारण था?

उत्तर: बैल के गर्दन मे घंटी बाँधने का कारण था मालिक को उसके साथ रहने की जरूरत नही पडती।

३: पढ़क्कू ने मालिक को वेबकूफ क्यो कहा?

उत्तर: पढ़क्कू ने मालिक को वेबकूफ कहा क्यो कि अगर बैल खड़ा रहकर गर्दन हिलाता रहेगा तो मालिक तो यही समझेगा कि बैल घूम रहा है।

**निम्नलिखित प्रश्नो के दीर्घ उत्तर लिखिए।**

१:मालिक कैसे जान लेता है कि बैल घूम रहा है या नही?

उत्तर: बैल के गर्दन पर बंधी घंटी बजती है जब बैल चलता है,इसी कारण से बैल के गर्दन पर घंटी बाँधी जाती है और मालिक को पता चल जाता है।

**सही कथन पर सही और गलत पर गलत का निशान लगाए।**

१: पढ़क्कू हमेशा नई-नई बाते गढ़ते थे। (सही)

२: जब तक बैल की घंटी बजती रहती थी,मालिक निश्चित रहता था। (सही)

३: पढ़क्कू की बाते सुनकर मालिक उससे प्रभावित हो जाता है। (गलत)

४: बैल ने तर्कशास्त्र पढ़ रखा था। (गलत)

**व्याकरण विभाग : मुहावरे**

मुहावरा मूलतः अरबी भाषा का शब्द है जिसका अर्थ है बातचीत करना या उत्तर देना। ... मोटे तौर पर जिस सुगठित शब्द-समूह से लक्षणाजन्य और कभी-कभी व्यंजनाजन्य कुछ व शष्ट अर्थ निकलता है उसे मुहावरा कहते हैं। कई बार यह व्यंग्यात्मक भी होते हैं। मुहावरे भाषा को सुदृढ, गतिशील और रु चकर बनाते हैं।

मुहावरा' शब्द अरबी भाषा का है जिसका अर्थ है 'अभ्यास होना' या 'आदी होना'। इस प्रकार मुहावरा शब्द अपने-आप में स्वयं मुहावरा है, क्यों क यह अपने सामान्य अर्थ को छोड़कर असामान्य अर्थ प्रकट करता है।

मुहावरा -अक्ल पर पत्थर पड़ना
अर्थ -बुद् ध से काम न लेना
मुहावरा -अगर मगर करना
अर्थ -बहाना बनाना, टालमटोल करना
मुहावरा -अंग अंग ढीला होना
अर्थ -बहुत थक जाना
मुहावरा -अंगारे उगलना
अर्थ -अत्य धक क्रो धत होना
मुहावरा -अंक में भरना/अंग लगाना
अर्थ -गले लगाना/आ लंगन करना
मुहावरा -अंगारे उगलना
अर्थ -बहुत गर्मी पड़ना
मुहावरा -अंगूठा दिखाना
अर्थ -कार्य करने से साफ मना करना
मुहावरा -अंत पाना
अर्थ -भेद जानना
मुहावरा -अंतर बनाना
अर्थ -परलोक बनाना
मुहावरा -अंत बिगड़ना
अर्थ -परलोक बिगड़ना
मुहावरा -अंधे की लकड़ी
अर्थ -एक मात्र सहारा
मुहावरा -अंधेरे घर का चराग
अर्थ -इकलौता पुत्र
मुहावरा -अक्ल चरने जाना
अर्थ -बुद् ध गाना होना
मुहावरा -अपना सा मुंह लेकर रह जाना
अर्थ -लज्जित होना
मुहावरा -अपना उल्लू सीधा करना
अर्थ -अपना मतलब निकालना

मुहावरा -अपनी खचड़ी अलग पकाना

अर्थ -साथ मलकर ना रहना

मुहावरा -अपने मुंह मयां मट्ठू पकाना

अर्थ -अपनी प्रशंसा स्वयं करना

मुहावरा -अपने पांव पर कुल्हाड़ी मारना

अर्थ -अपनी हानि स्वयं कर

मुहावरा -अक्ल का दुश्मन

अर्थ -मूर्ख, नासमझ

मुहावरा -आंखें चुराना

अर्थ -अनदेखा करना

मुहावरा -आंखें बिछाना

अर्थ -बहुत आदर सम्मान करना

मुहावरा -अच्छे दिन आना

अर्थ -भाग्य खुल जाना

मुहावरा -अपना राग अलापना

अर्थ - कसी की ना सुनना /अपनी बात पर अड़े रहना

मुहावरा -अक्ल का पुतला

अर्थ -बुद् धमान

मुहावरा -अरमान निकालना

अर्थ -मनोरथ पूरा करना

मुहावरा -आंख उठाना

अर्थ -हानि पहुंचाने की को शश करना /बुरी तरह देखना

मुहावरा -आंख उठाकर न देखना

अर्थ -परवाह न करना

मुहावरा -आंख मारना

अर्थ -इशारा करना

मुहावरा -आंखें चार होना

अर्थ -आमने सामने होना

मुहावरा -आंखें दिखाना

अर्थ -क्रोध से देखना

मुहावरा -आंखों का कांटा होना

अर्थ -बुरा लगेगा

मुहावरा -आंखों का तारा
अर्थ -बहुत प्यारा होना जातीय
मुहावरा -आंखों से गरना
अर्थ -आदर कम होना
मुहावरा -आंखों पर बैठाना
अर्थ -आदर करना
मुहावरा -आंखों में सामना
अर्थ -सदा याद रखना
मुहावरा -आंखों में रात काटना
अर्थ -रात भर जागते रहना
मुहावरा -आंखों में धूल झोंकना
अर्थ -धोखा देना
मुहावरा -आंच ना आने देना
अर्थ -हानि ना होने देना
मुहावरा -आंखें खुलना
अर्थ -होश होना

**लेखन विभाग : पत्र लेखनः औपचारिक पत्र**

बड़ी बहन के ववाह हेतु एक सप्ताह के अवकाश की प्रार्थना करते हुए प्रधानाचार्य को पत्र लखें

परीक्षा भवन

सेवा में ,
प्रधानाचार्य ,
पूना इंटरनेशनल स्कूल
गांधीनगर
दिनांक : 12 दिसम्बर २०२१
वषय : अवकाश प्राप्ति हेतु पत्र
श्रीमान ,
स वनय निवेदन इस प्रकार है क मैं आपके वद्यालय में दसवीं का छात्र हूं। महोदय अगले सप्ताह मेरी बड़ी बहन का ववाह होना जा रहा है।अतः मुझे एक सप्ताह का अवकाश चाहिए।
महोदय आशा है आप मुझे दिनांक 10 दिसम्बर २०२१ से 27 दिसम्बर 2021 तक का अवकाश प्रदान करने की कृपा करेंगे।
आपका आज्ञाकारी शष्य
सोहन कुमार

**गतिविधियाँ-** **बैल का चित्र बनाए।**

---

## पाठः १२
## सुनिता की पहिया कुर्सी

**पाठ का सारः** सुनीता जब सुबह उठी तो उसे याद आया क आज बाजार जाना है। वह खुश हो गई। सुनीता आज पहली बार अकेले बाजार जाने वाली थी। उसने अपनी टांगों को हाथों से पकड़कर पलंग से नीचे लटकाया और चलने- फरने वाली पहिया कुर्सी की मदद ली। वह अपने काम फुर्ती से निपटा ली और नाश्ता कर माँ से झोला और रुपए लेकर अपनी पहिया कुर्सी पर बैठ बाजार की ओर चल दी। आज छुट्टी का दिन है। हर जगह बच्चे खेलते हुए दिखाई दे रहे हैं। वह उदास हो गई। वह भी उन बच्चों के साथ खेलना चाहती थी।रास्ते में कई लोग सुनीता को देखकर मुस्कुराए, जब क वह उनको जानती तक नहीं थी। सुनीता हैरान थी यह सोचकर क लोग उसको इस तरह क्यों देख रहे हैं। एक छोटी लड़की ने आ खर सुनीता से पूछ ही लया-तुम्हारे पास यह अजीब सी चीज क्या है? सुनीता अभी जवाब दे ही रही थी क उस लड़की की माँ ने गुस्से में आकर लड़की को सुनीता से दूर हटा दिया। माँ ने उसे समझाया-तुम्हें इस तरह का सवाल नहीं पूछना चाहिए। सुनीता दुखी हो गई। उसने लड़की की माँ से कहा- मैं दुसरे बच्चों से अलग नहीं हैं।सुनीता बाजार पहुँच गई। दुकान में घुसने के लए उसे सीढ़ियों पर चढ़ना था। यह काम बहुत मुश्किल था। ले कन अ मत नाम के एक लड़के की मदद से वह सीढ़ियाँ चढ़ गई। उसने अ मत को धन्यवाद दिया और कहा-अब मैं दुकान तक खुद पहुँच सकती हूँ। दूकान में पहुंचकर सुनीता ने एक कलो चीनी माँगी। दुकानदार जल्दी में था। उसने चीनी की थैली सुनीता की गोद में डाल दी। सुनीता गुस्सा हो गई। दूसरों की तरह वह भी अपने आप सामान ले सकती थी। उसे दुकानदार का व्यवहार अच्छा नहीं लगा। चीनी लेकर वह अ मत के साथ बाहर निकल आयी। वह दुखी थी। उसने अ मत से कहा-लोग मेरे साथ ऐसा व्यवहार करते हैं जैसे क मैं कोई अजीबोगरीब लड़की हूँ। इसपर अ मत ने कहा-शायद तुम्हारी पहिया कुर्सी के कारण ही वे ऐसा व्यवहार करते हैं। उसने सुनीता से पूछा-तुम इसपर क्यों बैठती हो? सुनीता ने जवाब दिया-मैं पैरों से नहीं चल सकती। इस पहिया कुर्सी के पहियों को घुमाकर ही मैं चल- फर पाती हूँ। फर भी मैं दूसरे बच्चों से अलग नहीं हूँ। अ मत ने उसकी इस बात को स्वीकार नहीं कया। उसने कहा-मैं भी वे सारे काम कर सकता हूँ जो दूसरे बच्चे कर सकते हैं। पर मैं भी दूसरे बच्चों से अलग हूँ। इसी

तरह तुम भी अलग हो। सुनीती मानने को तैयार नहीं थी। अ मत ने उसे  फर समझाया-हम दोनों बाकी लोगों से कुछ अलग हैं। तुम पहिया कुर्सी पर बैठकर चलती हो। मेरा कद बहुत छोटा है। सुनीता कुछ सोचने लगी।  फर वह अ मत के साथ तेजी से सड़क पर आगे बढ़ गई। लोग उन दोनों को घूरते रहे ले कन सुनीता को उनकी कोई परवाह नहीं थी।

## कठिन शब्द लिखिए

- सहारा
- फुर्ती
- तेजी
- रोज़ाना
- प्रतिदिन
- टुकुर-टुकुर
- एकटक
- अजीबोगरीब
- अनोखा,
- व चत्र
- परवाह
- ध्यान
- ख्याल

## शब्दार्थ लिखिए

- सहारा : सहायता, मदद
- फुर्ती : तेजी
- रोज़ाना : रोज, प्रतिदिन
- टुकुर-टुकुर : एकटक
- अजीबोगरीब : अनोखा,  व चत्र
- परवाह : ध्यान, ख्याल

## वैकल्पिक प्रश्नो के उत्तर लिखिए।

१:सुनिता कितने बजे सो कर उठती है?

उत्तरः **(क) सात  बजे** (ख)आठ बजे

(ग) नौ बजे (घ)पाँच बजे

२:सुनिता को अकेले कहाँ जाना था?

उत्तरः (क)स्कूल (ख)खेलने

**(ग)बाजार** (घ)अस्पताल

३:अचार की बोतल कहाँ रखी हुई थी?

उत्तरः (क)मेज़ पर **(ख)अलमारी मे**

(ग)रसोईघर मे (घ)स्टूल पर

४:सुनिता की माँ ने सुनिता से क्या मँगवाया ?

उत्तरः **(क)चीनी** (ख)दाल

(ग)दूध (घ)सब्जी

५:सडक पार करते समय सुनिता को कौन दिखाई दिया?

उत्तरः **(क)फरीदा** (ख)अमित

(ग)छोटी लडकी (घ)ये सभी

**निन्मलिखित प्रश्नो के अति लघु उत्तर लिखिए।**

१:बाजार जाने के लिए सुनिता ने अपनी माँ से क्या लिया?

उत्तरः बाजार जाने के लिए सुनिता ने अपनी माँ से थैला और रूपया लिया।

२:दुकान मे घुसने के लिए सुनिता को कहाँ चढ़ना था?

उत्तरः दुकान मे घुसने के लिए सुनिता को सीढ़ियाँ चढ़ना था।

३:लोगो का व्यवहार को देखकर सुनिता ने अपने आप को कैसी लडकी कहा?

उत्तरः लोगो का व्यवहार को देखकर सुनिता ने अपने आप को अजीबोगरीब लडकी कहा।

**निन्मलिखित प्रश्नो के लघु उत्तर लिखिए।**

१:सुनिता के लिए कौन से काम करने कठिन थे?

उत्तरः सुनिता के लिए कपडे बदलना,जूते पहननना जैसे काम करने कठिन थे।

२:बाजार जाते हुए सुनीता ने बच्चो को कौन से खेल खेलते देखा?

उत्तरःबाजार जाते हुए सुनीता ने बच्चो को रस्सी कुदते और गेद खेलते देखा।

३:सुनीता को देखकर लोग क्यो मुस्कुरा रहे थे?

उत्तरःसुनीता पहिया कुर्सी पर बाजार गई थी,इसलिए लोग मुस्कुरा रहे थे

४:रास्ते मे मिली फरीदा ने सुनीता से क्या प्रश्न पूछा?

उत्तरः रास्ते मे मिली फरीदा ने सुनीता से प्रश्न पूछा कि यह तुम्हारे पास अजीब चीज क्या है।

**निम्नलिखित प्रश्नो के दीर्घ उत्तर लिखिए।**

१:फरीदा की माँ ने फरीदा को दूर क्यो हटा दिया?

उत्तरः फरीदा की माँ ने फरीदा को दूर हटा दिया क्यो कि सुनीता पहिया कुर्सी पर बाजार गई थी।इसलिए फरीदा की माँ ने फरीदा को दूर हटा दिया।

**सही कथन पर सही और गलत पर गलत का निशान लगाए।**

१:सुनिता चलने -फिरने के लिए पहिया कुर्सी की मदद लेती थी। (सही)

२:रोजाना के कामो को पूरा करने के लिए सुनिता स्वयं ही कई तरीके ढूँढ निकलती थी। (सही)

३:सुनिता को सडक की जिंदगी देखना बिल्कुल अच्छा नही लगता था। (गलत)

४:अमित को सब छोटु-छोटु बुलाकर चिढ़ा रहे थे। (सही)

५:फरीदा की माँ का व्यवहार सुनिता को अच्छा लगा। (गलत)

**रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।**

१:सुनिता आज सभी काम **फुर्ती** से निपटाना चाहती थी।

२:आठ बजे तक सुनिता **नहा-धोकर** तैयार हो गई।

३:रास्ते मे कई लोग सुनिता को देखकर **मुस्कुरा** रहे थे।

४:उसे फरीदा की माँ का **व्यवहार** समझ मे नही आया।

५:दुकानदार ने थैली उसकी **गोदी** मे रख दी।

## व्याकरण विभाग:विराम चिह्न

वराम का अर्थ है-रुकना या ठहरना। वक्ता अपने भावों व वचारों को व्यक्त करते समय वाक्य के अन्त में या कभी-कभी बीच में ही साँस लेने के लए रुकता है, इसे ही वराम कहते हैं।

- पूर्ण वराम- चह्न (Sign of full-stop ) – (।)
- अर्द्ध वराम- चह्न (Sign of semi-colon) – (;)
- अल्प वराम- चह्न (Sign of comma) – (,)
- प्रश्नवाचक चह्न (Sign of interrogation) – (?)
- वस्मयादिबोधक चह्न (Sign of exclamation) – (!)
- उद्धरण चह्न (Sign of inverted commas) – (" ") (" ")
- निर्देशक या रे खका चह्न (Sign of dash) – (—)
- ववरण चह्न (Sign of colon dash) – (:-)
- अपूर्ण वराम- चह्न (Sign of colon) – (:)
- योजक वराम- चह्न (Sign of hyphen) – (-)
- कोष्ठक (Brackets) – () [] {}
- चह्न (Sign of abbreviation) – 0/,/.
- चह्न (Sign of elimination) + x + x + /…/…
- प्रतिशत चह्न (Sign of percentage) (%)
- समानतासूचक चह्न (Sign of equality) (=)
- तारक चह्न/पाद-टिप्पणी चह्न (Sign of foot note) (*)
- त्रुटि चह्न (Sign of error; indicator) (^)

# पूर्ण वराम (।)

पूर्ण वराम का अर्थ है, पूरी तरह रुकना या ठहरना। जहाँ एक बात पूरी हो जाये या वाक्य समाप्त हो जाये वहाँ पूर्ण वराम (।) चह्न लगाया जाता है।
जैसे- पढ़ रहा हूँ।
हिन्दी में पूर्ण वराम चह्न का प्रयोग सबसे अ धक होता है। यह चह्न हिन्दी का प्राचीनतम वराम चह्न है।

# अल्प वराम- (,)

जहाँ थोड़ी सी देर रुकना पड़े, वहाँ अल्प वराम चन्ह का प्रयोग कया जाता हैं अथार्त एक से अ धक वस्तुओं को दर्शाने के लए अल्प वराम चन्ह (,) लगाया जाता है।
अल्प का अर्थ होता है- थोड़ा। अल्प वराम का अर्थ हुआ- थोड़ा वश्राम अथवा थोड़ा रुकना। बातचीत करते समय अथवा लखते समय जब हम बहुत-सी वस्तुओं का वर्णन एक साथ करते हैं, तो उनके बीच-बीच में अल्प वराम का प्रयोग करते है।
जैसे-
भारत में गेहूँ, चना, बाजरा, मक्का आदि बहुत-सी फसलें उगाई जाती हैं।

# उप वराम - (:)

जब कसी शब्द को अलग दर्शाया जाता है तो वह पर उप वराम चन्ह (:) लगाया जाता है अथार्त जहाँ पर कसी वस्तु या वषय के बारे में बताया जाए तो वहां पर उप वराम चन्ह (:) का प्रयोग कया जाता है।
जैसे -
कृष्ण के अनेक नाम : मोहन, श्याम, मुरली, कान्हा।

# अर्द्ध वराम - (;)

पूर्ण वराम से कुछ कम, अल्प वराम से अ धक देर तक रुकने के लए ‘अर्द्ध वराम’ का प्रयोग कया जाता है अथार्त एक वाक्य या वाक्यांश के साथ दूसरे वाक्य या वाक्यांश का संबंध बताना हो तो वहाँ अर्द्ध वराम (;) का प्रयोग होता है।
जहाँ अल्प वराम से कुछ अ धक ठहरते है तथा पूर्ण वराम से कम ठहरते है, वहाँ अर्द्ध वराम का चह्न (;) लगाया जाता है।

यदि एक वाक्य या वाक्यांश के साथ दूसरे वाक्य या वाक्यांश का संबंध बताना हो तो वहाँ अर्द्ध वराम का प्रयोग होता है। इस प्रकार के वाक्यों में वाक्यांश दूसरे से अलग होते हुए भी दोनों का कुछ-न कुछ संबंध रहता है।

जैसे -

सूर्यास्त हो गया; ला लमा का स्थान का लमा ने ले लया।

# योजक चन्ह - (-)

दो शब्दों में परस्पर संबंध स्पष्ट करने के लए तथा उन्हें जोड़कर लखने के लए योजक- चह्न (-) का प्रयोग कया जाता है।

हिंदी में अल्प वराम के बाद योजक चह्न का प्रयोग अ धक होता है। दो शब्दों में परस्पर संबंध स्पष्ट करने के लए तथा उन्हें जोड़कर लखने के लए योजक- चह्न का प्रयोग कया जाता है। इसे ' वभाजक- चह्न' भी कहते है।

जैसे-

जीवन में सुख-दुःख तो चलता ही रहता है।

रात-दिन परिश्रम करने पर ही सफलता मलती है।

# कोष्ठक चन्ह - ()

वाक्य के बीच में आए शब्दों अथवा पदों का अर्थ स्पष्ट करने के लए कोष्ठक का प्रयोग कया जाता है अथार्त कोष्ठक

चन्ह () का प्रयोग अर्थ को और अ धक स्पस्ट करने के लए शब्द अथवा वाक्यांश को कोष्ठक के अन्दर लखकर कया जाता है।

वाक्य के बीच में आए शब्दों अथवा पदों का अर्थ स्पष्ट करने के लए कोष्ठक का प्रयोग कया जाता है।

जैसे -

अध्यापक ( चल्लाते हुए) " निकल जाओ कक्षा से।"

वश्वा मत्र (क्रोध में काँपते हुए) ठहर जा।

# पदलोप चन्ह - (...)

जब वाक्य या अनुच्छेद में कुछ अंश छोड़ कर लखना हो तो लोप चह्न (...) का प्रयोग कया जाता है।

जैसे -

राम ने मोहन को गली दी...।

मैं सामान उठा दूंगा पर...।

# रेखांकन चह्न ( _ )

वाक्य में महत्त्वपूर्ण शब्द, पद, वाक्य रेखां कत कर दिया जाता है।

जैसे-

गोदान _ उपन्यास, प्रेमचंद द्वारा ल खत सर्वश्रेष्ठ कृति है।

# लाघव चन्ह - (०)

कसी बड़े तथा प्र सद्ध शब्द को संक्षेप में लखने के लए उस शब्द का पहला अक्षर लखकर उसके आगे शून्य (०) लगा देते हैं। यह शून्य ही लाघव- चह्न कहलाता है।

जैसे -

डॉक़्टर के लए — डॉ०

पं डत के लए — पं०

# आदेश चह्न (:-)

कसी वषय को क्रम से लखना हो तो वषय-क्रम व्यक्त करने से पूर्व आदेश चह्न ( :- ) का प्रयोग कया जाता है।

जैसे-

वचन के दो भेद है :- 1. एकवचन, 2. बहुवचन।

# वस्मयादिबोधक चन्ह - (!)

वस्मयादिबोधक चन्ह (!) का प्रयोग वाक्य में हर्ष, ववाद, वस्मय, घृणा, आश्चर्य, करुणा, भय इत्यादि का बोध कराने के लए कया जाता है अथार्त इसका प्रयोग अव्यय शब्द से पहले कया जाता है।

जैसे -

हाय !,

आह !,

छि !,

अरे !,

शाबाश !

## प्रश्नवाचक चन्ह - (?)

प्रश्नवाचक वाक्य के अंत में 'प्रश्नसूचक चन्ह' (?) का प्रयोग कया जाता है अथार्त जब कसी वाक्य में सवाल पूछे जाने का भाव उत्पन्न हो तो उस वाक्य के अंत में प्रशनवाचक चन्ह (?) का प्रयोग कया जाता है।

बातचीत के दौरान जब कसी से कोई बात पूछी जाती है अथवा कोई प्रश्न पूछा जाता है, तब वाक्य के अंत में प्रश्नसूचक- चह्न का प्रयोग कया जाता है।

जैसे -

वह क्या खा रहा है?

## अवतरण या उदहारण चन्ह - ( "..." )

कसी की कही हुई बात को उसी तरह प्रकट करने के लए अवतरण चह्न ("...") का प्रयोग कया जाता है।

महत्त्वपूर्ण कथन, कहावत, सन्धि आदि को उद्धत करने में दुहरे उद्धरण चह्न का प्रयोग होता है।

जैसे -

तुलसीदास ने सत्य कहा है — "पराधीन सपनेहु सुख नाहीं।"

## पुनरुक्ति सूचक चन्ह - (,,)

पुनरुक्ति सूचक  चन्ह („) का प्रयोग ऊपर  लखे  कसी वाक्य के अंश को दोबारा  लखने से बचने के  लए  कया जाता है।

जैसे -

राम रामौ रामः

रामम् „ रामान्

## दीर्घ उच्चारण  चन्ह - (S)

जब वाक्य में  कसी  वशेष शब्द के उच्चारण में अन्य शब्दों की अपेक्षा अ धक समय लगता है तो वहां पर दीर्घ उच्चारण  चन्ह (S) का प्रयोग  कया जाता है।

जैसे -

S || || | | | S || SS (16 मात्राएँ, | को एक मात्रा तथा S को 2 मात्रा माना जाता है।)

## तुल्यता सूचक  चन्ह - (=)

वाक्य में दो शब्दों की तुलना या बराबरी करने में तुल्यता सूचक  चन्ह का प्रयोग  कया जाता है।

जैसे -

अच्छाई = बुराई

## वस्मरण  चन्ह या त्रुटिपूरक  चन्ह-Oblivion Sign (^)

 वस्मरण  चन्ह (^) का प्रयोग  लखते समय  कसी शब्द को भूल जाने पर  कया जाता है।

जैसे -

राम ^ जएगा।

## निर्देशक  चन्ह - (—)

निर्देशक  चन्ह (—)का प्रयोग  वषय,  ववाद, सम्बन्धी, प्रत्येक शीर्षक के आगे, उदाहरण के पश्चात, कथोपकथन के नाम के आगे  कया जाता है।

जैसे -

श्री राम ने कहा — सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए।

## लेखनविभागः संवाद लेखन

बिजली की बार-बार कटौती से उत्पन्न स्थिति से परेशान महिलाओं की बातचीत का संवाद लेखन कीजिए।

तनु – क्या बात है वभा? कुछ परेशान-सी दिख रही हो?

वभा – क्या कहूँ तनु, बिजली की कटौती से परेशान हूँ।

तनु – ठीक कह रही हो बहन, बिजली कब कट जाए, कुछ कह ही नहीं सकते हैं।

वभा – तनु, बिजली न होने से आज तो घर में बूंदभर भी पानी नहीं है। समझ में नहीं आता, नहाऊँ कैसे, बरतन कैसे धोऊँ।

तनु – आज सवेरे बच्चों को तैयार करके स्कूल भेजने में बड़ी परेशानी हुई।

वभा – यह तो रोज़ का नियम बन गया है। सुबह-शाम बिजली कट जाने से घरेलू कामों में बड़ी परेशानी होने लगी है।

तनु – दिनभर ऑ फस से थककर आओ क घर कुछ आराम मलेगा, पर हमारा चैन बिजली ने छीन लया है।

वभा – अगले सप्ताह से बच्चों की परीक्षाएँ हैं। मैं तो परेशान हूँ क उनकी तैयारी कैसे कराऊँगी?

तनु – चलो आज बिजली वभाग को शकायत करते हुए ऑ फस चलेंगे।

वभा – यह बिलकुल ठीक रहेगा।

परीक्षा के एक दिन पूर्व दो मत्रों की बातचीत का संवाद लेखन कीजिए।

अक्षर – नमस्ते वमल, कुछ परेशान से दिखते हो?

वमल – नमस्ते अक्षर, कल हमारी ग णत की परीक्षा है।

अक्षर – मैंने तो पूरा पाठ्यक्रम दोहरा लया है, और तुमने?

वमल – पाठ्यक्रम तो मैंने भी दोहरा लया है, पर कई सवाल ऐसे हैं, जो मुझे नहीं आ रहे हैं।

अक्षर – ऐसा क्यों?

वमल – जब वे सवाल समझाए गए थे, तब बीमारी के कारण मैं स्कूल नहीं जा सका था।

अक्षर – कोई बात नहीं चलो, मैं तुम्हें समझा देता हूँ। शायद तुम्हारी समस्या हल हो जाए।

वमल – पर इससे तो तुम्हारा समय बेकार जाएगा।

अक्षर – कैसी बातें करते हो यार, अरे! तुम्हें पढ़ाते हुए मेरा दोहराने का काम स्वतः हो जाएगा। फर, इतने दिनों की मत्रता कब काम आएगी।

वमल – पर, मैं उस अध्याय के सूत्र रट नहीं पा रहा हूँ।

अक्षर – सूत्र रटने की चीज़ नहीं, समझने की बात है। एक बार यह तो समझो क सूत्र बना कैसे। फर सवाल कतना भी घुमा-फराकर आए तुम ज़रूर हल कर लोगे।

वमल – तुमने तो मेरी समस्या ही सुलझा दी। चलो अब कुछ समझा भी दो।

## गतिविधियाँ–सुनिता की पहिया कुर्सी का चित्र बनाए

।

## पाठः १३
## हुदहुद

**पाठ का सारः** गर्मी के दिन थे। धूप में ही सुलेमान नाम के बादशाह आकाश में चलने वाले अपने उड़नखटोले पर बैठे कहीं जा रहे थे। शीघ्र ही वे धूप से परेशान होने लगे। उन्होंने गद्धों से कहा-अपने पंखों से तुमलोग मेरे सर पर छाया कर दो। गद्धों ने बहाना बढ़ने पर सुलेमान की भेट हुदहुदों के मु खया से हुई। उन्होंने उससे भी मदद माँगी । वह मदद देने को फौरन तैयार हो गया। अपने दल के सभी हुदहुदों को इकट्ठा करके बादशाह सुलेमान के ऊपर छाया कर दी। बादशाह सुलेमान उनपर बहुत प्रसन्न हुए। कहा-मैं तुम्हारी कोई इच्छा पूरी करूंगा। बताओ, तुम्हारी क्या इच्छा है? हुदहुदों के मु खया ने कहा-महाराज! यह वरदान दीजिए क हमारे सर पर आज से सोने की कलगी निकल आए। सुलेमान ने प्रार्थना स्वीकार कर ली। सभी हुदहुदों के सर पर सोने की कलगी निकल आई। लोगों ने जैसे देखा तीर से उन्हें मार-मारकर सोना इकट्ठा करने लगे। नतीजा यह हुआ क हुदहुदों का वंश समाप्त होने पर आ गया। मु खया घबरा गया। वह फौरन सुलेमान के पास पहुँचा और बोला-इस सोने की कलगी के कारण तो हमारा वंश ही समाप्त हो जाएगा। सुलेमान ने कहा-ठीक है आज से तुम्हारे सर का ताज सोने का नहीं, सुंदर परों का हुआ करेगा। तभी से हुदहुदों के सर पर यह ताज अर्थात् कलगी शोभा पा रहा है। हुदहुद एक सुंदर पक्षी है। इसके शरीर का सबसे सुदंर भाग इसके सर की कलगी होती है। इसका सारा शरीर रंग-बिरंगा और चटकीला होता है। पंख काले-काले होते हैं जिन पर मोटी सफेद धारियाँ बनी होती हैं। गर्दन का अगला हिस्सा बादामी रंग का होता है। चोटी भी बादामी रंग की होती है। मगर उसके सरे काले और सफेद होते हैं। दुम का भीतरी हिस्सा सफेद और बाहरी हिस्सा काले रंग का होता है। चोंच पतली, लंबी और तीखी होती है। इसकी चोंच नाखून काटने वाली 'नहरनी' से बहुत मलती है और इसी लए कहीं-कहीं इसे 'हजा मन' च ड़या के नाम से जाना जाता हैं। बोलते समय यह तीन बार 'हुप-हुप-हुप' सा कुछ कहता है, इसी लए इसे अंग्रेजी में 'हुपऊ' कहा जाता है। हिंदी में इसे हुदहुद कहते हैं। दूब में कीड़ा ढूँढने के

कारण हमारे देश में कहीं-कहीं इसे "पदुबया' भी कहते हैं और सुंदर कलगी की वजह से कुछ देशों में इसे 'शाह सुलेमान' कहकर पुकारते हैं। मादा हुदहुद तीन से दस तक अंडे देती है। जबतक बच्चे अंडे से बाहर नहीं निकल जाते, वह अंडों पर बैठी रहती है। नर वहीं भोजन लाकर उसे खलाता है। हुदहुद देखने में तो सुंदर है परन्तु उसकी बोली में मठास नहीं होती।

## कठिन शब्द लिखिए

- हजा मन
- पदुबया
- हुदहुद
- भोजन
- वंश
- समाप्त
- नहरनी
- कलगी
- अंडों
- चटकीला

## शब्दार्थ लिखिए

- भेंट-मुलाकात
- फौरन-तुरंत
- उड़नखटोला-आकाश में उड़नेवाला खटोला
- परामर्श-सलाह
- वंश-कुल, खानदान
- शोभा-सुन्दरता
- चौकन्ना-सतर्क
- चटकीला-चटक रंग वाला
- तीखी-नुकीली
- वख्यात-प्र सद्ध
- मशहूर-प्र सद्ध

## वैकल्पिक प्रश्नो के उत्तर लिखिए।

१:सलेमान बादशाह किस कारण से परेशान हो रहे थे?

उत्तर:(क) सर्दी से (ख) बरसात से

(ग) धूप से (घ) बीमारी से

२:निम्न मे से हुदहुद के मुखिया की विशेषता कौन सी थी?

उत्तर:(क) चतुर (ख)मूर्ख

(ग)समझदार (घ)सीधा

३: निम्न मे से कौन साश ब्द हुदहुद पक्षी के लिए सबसे अधिक उपयुक्त है?

उत्तर:(क)सुंदर (ख)कुरूप

(ग) अच्छा (घ)चालाक

४ःहुदहुद के पंखो का रंग कैसा होता है?

उत्तरः(क) सफेद (ख)काला

(ग) रंग-बिरंगा (घ)भूरा

५ःहुदहुद की गर्दन का अगला हिस्सा किस रंग का होता है?

उत्तरः (क) भूरा (ख) बादामी

(ग)सफेद (घ) काला

**निम्नलिखित प्रश्नो के अति लघु उत्तर लिखिए।**

१ः बादशाह सुलेमान किस पर बैठकर जा रहे थे?

उत्तरः बादशाह सुलेमान उडनखटोले पर बैठकर जा रहे थे।

२ःसुलेमान ने किस -किस से मदद माँगी?

उत्तरः सुलेमान ने गिद्धे और हुदहुदो से मदद माँगी?

३ःहुदहुदो के मुखिया ने किससे परामर्श किया?

उत्तरः हुदहुदो के मुखिया ने अपने साथियो से परामर्श किया।

४ः हुदहुदो की चोटी किस रंग की होती है?

उत्तरः हुदहुदो की चोटी बादामी रंग की होती है।

५ःलोग किस प्रकार हुदहुदो के सिर पर लगी सोने की कलगी को इक्टठा करने लगे?

उत्तरःलोग हुदहुदो को मार कर हुदहुदो के सिर पर लगी सोने की कलगी को इक्टठा करने लग।

**निम्नलिखित प्रश्नो के लघु उत्तर लिखिए।**

१ःवंश समाप्त होने की बात सुनकर सुलेमान ने क्या कहा?

उत्तरः वंश समाप्त होने की बात सुनकर सुलेमान ने कहा कि तुम्हारे सिर का ताज सुन्दर पंखो का हो जाए।

२ःहुदहुद की दुम कैसी दिखाई देती है?

उत्तरः ःहुदहुद की दुम भीतरी हिस्सा सफेद और बाहरी हिस्सा काले रंग का होता है।

३ःहुदहुद की चोंच कैसी दिखाई देती है?

उत्तरः हुदहुद की चोंच नाखुन काटने वाली नरहरी के समान होती है।

४ःहुदहुदो को हजामीन चिडियाँ क्यो कहा जाता है?

उत्तरः हुदहुद की चोंच नाखुन काटने वाली नरहरी के समान होती है इसलिए इसे हजामीन चिडियाँ भी कहा जाता है।

## निम्नलिखित प्रश्नो के दीर्घ उत्तर लिखिए।

१:सुलेमान ने गिद्धो से क्या मदद माँगी और गिद्धो ने मदद न करने के लिए क्या बहाना बनाया?

उत्तरः सुलेमान ने गिद्धो से अपने पंखो से छाया करने की मदद माँगी तब गिद्धो ने बहाना बनाते हुए कहा कि हम तो इतने छोटे- छोटे है और हमारी गर्दन पर पंख भी नही है।हम छाया कैसे कर सकते है।

२:हुदहुद को किन-किन नामो से पुकारा जाता है? और क्यो?

उत्तरःहुदहुदो अपनी तीखी चोंच से जमीन खोदते हुए दिखाई देते है।बोलते समय यह तीन बार हुप-हुप -हुप सा बोलता है।इसलिए इसे अंग्रेजी मे हूप-ऊ कहा जाता है। हिंदी मे इसे हुदहुद कहते है।दूब मे कीड़ा ढूँढने के कारण हमारे देश मे कही-कही इसे पदुबया भी कहते है।

## सही कथन पर सही और गलत पर गलत का निशान लगाए।

१:बादशाह ने गिद्धो से सहायता माँगी। (सही)

२:हुदहुदो ने बादशाह की सहायता करने से इनकार कर दिया। (गलत)

३:सुलेमान ने हुदहुदो के मुखिया की प्रार्थना को अस्वीकार कर दिया। (गलत)

४:हुदहुदो का वंश समाप्त हो गया था। (गलत)

५:हुदहुदो का सारा शरीर रंग-बिंरगा और चटकीला होता है। (सही)

## रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

१:बादशाह का नाम **सुलेमान** था।

२:मुखिया ने सभी **हुदहुदो** को इक्टठा किया।

३:मैने खूब **परामर्श** करके यह वर माँगा है।

४:हुदहुद हमारे देश के **सभी भागो** मे पाए जाते है।

५:मादा हुदहुद **तीन से दस** अंडे देती है।

## व्याकरण विभाग : शब्द समुह के लिए एक शब्द

भाषा की सुदृढ़ता, भावों की गम्भीरता और चुस्त शैली के लए यह आवश्यक है क लेखक शब्दों (पदों) के प्रयोग में संयम से काम ले, ता क वह वस्तृत वचारों या भावों को थोड़े-से-थोड़े शब्दों में व्यक्त कर सके। समास, तद् धत और कृदन्त वाक्यांश या वाक्य एक शब्द या पद के रूप में सं क्षप्त कये जा सकते है। ऐसी हालत में मूल वाक्यांश या वाक्य के शब्दों के अनुसार ही एक शब्द या पद का निर्माण होना चाहिए।

दूसरी बात यह क वाक्यांश को संक्षेप में सामा सक पद का भी रूप दिया जाता है। कुछ ऐसे लाक्ष णक पद या शब्द भी है, जो अपने में पूरे एक वाक्य या वाक्यांश का अर्थ रखते है। भाषा में कई शब्दों के स्थान पर एक शब्द बोल कर हम भाषा को प्रभावशाली एवं आकर्षक बनाते है।

जैसे- राम क वता लखता है, अनेक शब्दों के स्थान पर हम एक ही शब्द 'क व' का प्रयोग कर सकते है।

दूसरा उदाहरण- 'जिस स्त्री का पति मर चुका हो' शब्द-समूह के स्थान पर ' वधवा' शब्द अच्छा लगेगा।
इसी प्रकार, अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कर सकते है।

यहाँ पर अनेक शब्दों के लए एक शब्द के कुछ उदाहरण दिए जा रहे है:-

- जंगल में फैलनेवाली आग – दावाग्नि
- समुद्र में लगने वाली आग – बड़वानल
- जो सपना दिन में देखा जाए – दिवास्वप्न
- जिसे कठिनाई से जाना जा सके – दुर्ज्ञेय
- जो कठिनाई से समझ में आता हो – दुर्बोध
- अर्द्धरात्रि का समय – निशीथ
- रंगमंच पर पर्दे के पीछे का स्थान – नेपथ्य
- आजीवन ब्रह्मचर्य का व्रत लेने वाला – नैष्ठिक
- नाटक का पर्दा गरना – पटाक्षेप
- रंगमंच का पर्दा – यवनिका
- जो उत्तर न दे सके – निरुत्तर
- केवल दूध पर जी वत रहने वाला – पयोहारी
- शरणागत की रक्षा करने वाला – प्रणतपाल
- एक बार कही हुई बात को दोहराते रहना – पष्टपेषण
- जो पूछने योग्य हो – पृष्टव्य
- प्रमाण द्वारा सद्ध करने योग्य – प्रमेय
- रात का भोजन – ब्यालू/ रात्रिभोज
- जिसकी आंखें मगर जैसी हो – मकराक्ष
- जिस स्त्री की आंखें मछली के समान हो – मीनाक्षी
- जिस पुरुष की आंखें मछली के समान हो – मीनाक्ष
- हरिण के नेत्रों-सी आंखों वाली – मृगनयनी
- मोक्ष प्राप्त करने की इच्छा – मुमुक्षा
- मरने की इच्छा – मुमूर्षा
- युद्ध करने की इच्छा – युयुत्सा
- सृजन करने की इच्छा – ससृक्षा
- खुले हाथ से दान देने वाला – मुक्तहस्त
- माता की हत्या करने वाला – मातृहन्ता
- जिसने मृत्यु को जीत लया हो – मृत्युंजय

- वह कन्या जिसका ववाह करने का वचन दे दिया गया हो – वाग्दत्ता
- व्याकरण का ज्ञाता – वैयाकरण
- शत्रु का नाश करने वाला – शत्रुघ्न
- जिसका कोई आदि और अंत न हो – शाश्वत
  - जो सब कुछ जानता हो – सर्वज्ञ
- सब कुछ पाने वाला – सर्वलब्ध

**लेखन विभाग अनुच्छेद :क्रिसमस**

१- क्रसमस ईसैयुं का त्यौहार है|

२-यह त्यौहार महात्मा ईसामसी के जन्म दिन के रूप में मनाया जता है|

३-इस त्यौहार को पूरा संसार मनाता है|

४-हर साल 25 दिसम्बर को यह त्यौहार मनाया जता है|

५-इस दिन लोग नए कपड़े पहन कर गरजाघर जाते हैं|

६-लोग अपने घर को साफ़ करते हैं और घर में क्रसमस का पेड़ लगते हैं ,और उस में बच्चों के लए उपहारलगा देते है|

७-सभी लोग गरजाघर में एक साथ प्रार्थना करते हैं|

८-प्रार्थना के बाद सभी लोग एक-दूसरे को 'मेरी क्रसमस' बोलते हैं|

९-लोग इस दिन तरह-तरह के पकवान बनाते है और बांटते हैं|

१०- वशेष रूप से क्रसमस पर केक ही सबसे अच्छा पकवान होता है|

११-इस दिन पूरी दुनिया में छुट्टी रहती है|

१२-यह त्यौहार आपस में खु शयाँ बाँटने और स्नेहभाव रखने का संदेश देता है|

**गतिविधियाँ-** हुदहुद का चित्र बनाए।

---

पाठः १४

**मुफ्त ही मुफ्त**

**लेखकः ममता पंडया**

**पाठ का सारः** भीखू भाई जरा कंजूस थे। एक दिन उनका मन नारियल खाने का हुआ। ले कन इसके  लए न तो वे बाजार जाना चाहते थे न ही पैसे खर्च करना। वे सीधे खेत में जाकर बूढ़े बरगद के नीचे बैठ गए और सोचने लगे-क्या करूं? फर उठे, घर आए, जूते पहने और छड़ी उठाकर बाजार निकल पड़े. केवल यह जानने के  लए नारियल आजकल  कतने में बिक रहे हैं। बाजार में जब नारियल वाले ने पूछने पर बताया  क एक नारियल दो रुपये में है तो भीखू भाई की आँखें फैल गईं। उन्होंने कहा-बहुत ज्यादा है। एक रुपये में दे दो। नारियल वाला तैयार नहीं हुआ। भीखू भाई ने उससे पूछा-अच्छा तो बताओ, एक रुपये में कहाँ  मलेगा? नारियल वाले ने जब बताया  क मंडी में तब भीखू भाई फौरन उसी तरफ चल पड़े।

मंडी में व्यापारियों की ऊँची-ऊँची आवाजें गूंज रही थीं। भीखूभाई ने इधर-उधर देखा और बहुत जल्दी उन्हें नारियलवाला दिख गया। उन्होंने उससे एक नारियल का दाम पूछा। नारियल वाले ने कहा- सर्फ एक रुपया में, जो चाहो ले जाओ। भीखू भाई ने उसकी तरफ पचास पैसे बढ़ाते हुए कहा-पचास पैसे काफी हैं। मैं इस नारियल को लेता हूँ और तुमं, यह लो, पकड़ो पचास पैसा। नारियल वाले ने झट उनके हाथ से नारियल छीन  लया और कहने लगा-हो सकता है। बंदरगाह पर तुम्हें पचास पैसे में  मल जाए।

भीखू भाई सागर के  कनारे एक नाव वाले के पास दो चार नारियल पड़े देख उससे पूछ बैठे-एक नारियल  कतने में दोगे? नाव वाले ने जवाब दिया-पचास पैसे में। भीखू भाई हैरान रह गये। उन्होंने कहा-इतनी दूर से पैदल आया हूँ। पचास पैसे बहुत ज्यादा हैं। मैं तुम्हें पच्चीस पैसे दूंगा। नाव वाला तैयार नहीं हुआ। हाँ, उसने भीखू भाई को नारियल के बगीचे में जाने की सलाह दी।

भीखू भाई जब नारियल के बगीचे में पहुँच गए। वहाँ के माली को देखकर उससे पूछा-यह नारियल  कतने पैसे में बेचोगे? माली ने जवाब दिया-बस पच्चीस पैसे का एक। भीखू भाई को पच्चीस पैसे भी ज्यादा लगे। उन्होंने माली से कहा-मैं बहुत थक गया हूँ। मेरी बात मानो, एक नारियल मुफ्त में ही दे दो। इसपर माली ने कहा-अगर मुफ्त में नारियल चाहिये तो पेड़ पर चढ़ जाओ और जितने चाहो तोड़ लो । भीखू भाई बेहद खुश हुए। उन्होंने जल्दी-जल्दी पेड़ पर चढ़ना शुरू कर दिया। बहुत जल्दी ऊपर चढ़ गए।  फर वे टहनी और तने के बीच आराम से बैठ गए और दोनों हाथों को आगे बढ़ाने लगे सबसे बड़े नारियल को तोड़ने के  लए। अचानक उनके पैर  फसल गए। उनहोंने एकदम से नारियल को पकड़  लया। उनके दोनों पैर हवा में झूलते रह गए। उन्होंने माली से मदद की  वनती की। माली मदद देने से मना कर दिया। तभी ऊँट पर सवार एक आदमी वहाँ से गुजरा। भीखूभाई ने उससे मदद माँगी। वह तैयार हो गया। ऊँट की। पीठ पर खड़े होकर उसने भीखू भाई के पैरों को पकड़  लया। ठीक उसी समय हरे-भरे पत्ते खाने की लालच में ऊँट ने गर्दन झुकाई और अपनी जगह से हट गया। नतीजा हुआ  क वह आदमी ऊँट की पीठ से  फसल गया। अपनी जान बचाने के  लए उसने भीखूभाई के पैरों को कसकर पकड़  लया। इतने में एक घुड़सवार वहाँ आया। पेड़ से लटके दोनों जनों ने उससे मदद माँगी। घुड़सवार ने सोचा-मैं घोड़े की पीठ पर चढ़कर इनकी मदद कर देता हूँ।  फर वह घोड़े पर उठ खड़ा हुआ। ले कन घोड़े ने भी वही  कया जो ऊँट ने  कया था। हरी घास के चक्कर में घोड़ा जरी आगे बढ़ा और छोड़ चला अपने मा लक को ऊँटवाले के पैरों से लटकते हुए। नारियल के पेड़ से अब तीन जने झूल रहे थे। घुड़सवार ने भीखूभाई से कहा-काका! काका! कसके पकड़े रहना। मैं आपको सौ रुपए दूंगा। इसके बाद ऊँटवाले ने कहा-मैं आपको दौ सौ । रुपए दूंगा, ले कन नारियल को छोड़ना नहीं। भूखूभाई सौ और दो सौ के चक्कर में कुछ ज्यादा ही खुश हो गए। खुशी से उन्होंने अपनी दोनों बाहों को फैला दिया। इतने में नारियल हाथ से छूट गया। परिणामस्वरूप घुड़सवार, ऊँटवाला और भीखूभाई तीनों जमीन पर धड़ाम से  गर पड़े। और दूसरे ही क्षण एक बहुत बड़ा नारियल भीखूभाई के  सर पर आ फूटा।

## कठिन शब्द लिखिए

- आदमी
- ऊँट
- नारियल
- पेड़
- रुपए
- धड़ाम
- क्षण
- घुड़सवार, ऊँटवाला
- गर्दन
- मुफ्त
- बिना पैसे का
- कोलाहल
- शोरगुल

## **शब्दार्थ लिखिए**

- उचकाकर-उठाकर
- मुफ्त-बिना पैसे का
- कोलाहल-शोरगुल
- हक्के-बक्के रह गए-हैरान रह गए
- हर्ज-नुकसान
- फुर्ती-तेजी
- कस्मत-भाग्य
- मेहरबानी-कृपा

## **वैकल्पिक प्रश्नो के उत्तर लिखिए।**

१ःभीखूभाई क्या खाना चाहते थे?

उत्तरः(क)आम (ख)संतरा

**(ग) नारियल** (घ) पपीता

२ःभीखूभाई कैसे व्यक्ति थे?

उत्तरः **(क)कंजूस** (ख)दानी

(ग)बहादूर (घ)मूर्ख

३ःमंडी मे क्या फैला हुआ था?

उत्तरः **(क) कोलाहल** (ख)नारियल

(ग)रूमाल (घ)छड़ी

४ःसागर के किनारे कौन बैठा था?

उत्तरः **(क) नाव वाला** (ख)मछली पकडने वाला

(ग) मजदूर (घ)गोताखोर

## **निन्मलिखित प्रश्नो के अति लघु उत्तर लिखिए।**

१ःभीखूभाई के अनुसार नारियल का स्वाद कैसा होगा?

उत्तरः भीखूभाई के अनुसार नारियल का स्वाद मीठा होगा

२ःनारियल खरीदने के लिए भीखूभाई कहाँ गए?

उत्तरः नारियल खरीदने के लिए भीखूभाई बाजार गए।

३ःमंडी मे नारियल वाले ने भीखूभाई को कहाँ से नारियल खरीदने को कहाँ।

उत्तरः ःमंडी मे नारियल वाले ने भीखूभाई को बंदरगाँह से नारियल खरीदने को कहा

## निम्नलिखित प्रश्नो के लघु उत्तर लिखिए।

१:भीखूभाई के सामने क्या- क्या समस्याँ थी?

उत्तर: भीखूभाई के सामने नारियल खाने और पैसे भी खर्च न करने की समस्याँ थी।

२: भीखूभाई की सहायता करने के लिए कौन-कौन आया?

उत्तर: भीखूभाई की सहायता करने के लिए ऊँटवाला और घूडसवार आया।

३: भीखूभाई का सिर क्यो चकरा गया?

उत्तर:पैसे की लालच मे भीखूभाई का सिर  चकरा गया।

## निम्नलिखित प्रश्नो के दीर्घ उत्तर लिखिए।

१: हर बार भीखुभाई कम दाम देना चाहते थे| क्यों?

उत्तर- हर बार भीखुभाई कम दाम देना चाहते थे, क्यों क वे कंजूस थे|

२: हर जगह नारियल के दाम में फर्क क्यों था?

उत्तर- नारियल के बगीचे में उनका दाम सबसे कम था, क्यों क वहाँ वह पैदा होता था नारियल जैसे-जैसे आगे पहुँचता गया, उसमें और भी कम लोगों की कमाई जुड़ती गई| इस लए हर जगह नारियल के दाम में फर्क था|

३: क्या भीखुभाई को नारियल सच में मुफ़्त में ही  मला? क्यों?

उत्तर- भखूभाई को नारियल सच में मुफ्त में ही नहीं  मला| उसके  लए उन्हें बहुत ही मेहनत करनी पड़ी| इस तरह उनका मेहनताना तो नारियल की कीमत से कही ज्यादा ही था|

## सही कथन पर सही और गलत पर गलत का निशान लगाए।

१:भीखूभाई बरगद के वृक्ष के नीचे जाकर बैठ गए। (सही)

२: भीखूभाई ने एक रूपए मे नारियल खरीदा। (गलत)

३: मंडी से व्यापारियो की ऊँची -ऊँची आवाजे गूजँ रही थी । (सही)

४: नाव वाले ने भीखूभाई को बहुत अचछे नारियल दिए। (गलत)

## रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

१:**नारियल** के बारे मे सोचते हुए भीखूभाई ने अपने होठो को चटकारा।

२:भीखूभाई ने सोचा मेरी तो **किस्मत** खुल गई।

३:भीखूभाई **टहनी** और **तने** के बीच आराम से बैठ गए।

४:ऊँटवाला **ऊँट की पीठ** से पिसल गया।

**लेखन विभागः अनुच्छेद : मेरा प्रिय पेड़ नारियल**

नारियल जिसे अंग्रेजी में कोकोनट कहा जाता है, यह फल सर्फ भारत में ही नहीं बल्कि पूरे वश्व में पाया जाता है। आज से नहीं बल्कि इस फल का महत्व पुराने समय से ही चलता आ रहा है। खास तौर पर हिन्दू धर्म में तो इसकी महत्ता अत्य धक रही है। नारियल एक पाम प्रजाति का बहुत ऊंचा पेड़ होता है। इसका वैज्ञानिक नाम कोकस न्यु शफेरा है। नारियल के पेड़ों की आयु करीब 100 साल की होती है और इसकी ऊंचाई 20 से 30 मीटर तक होती है। पर कुछ ऐसी भी प्रजातियां होती हैं जो बौनी होती हैं, इनकी ऊंचाई 10 से लेकर 15 फीट तक होती है।

नारियल के पेड़ का तना काफी मजबूत व कठोर होता है, ले कन उसके साथ ही लचीला भी होता है। नारियल के पेड़ अ धकतर समुद्र के कनारों पर पाए जाते हैं। ये पेड़ पूरी दुनिया में पाए जाते हैं। भारत में केरल, मद्रास तथा आंध्र प्रदेश में इनका उत्पादन बहुत अ धक होता है। जिसमें से करीब 1. 5 करोड़ नारियल के पेड़ तो सर्फ केरल में ही हैं।

नारियल के पेड़ों को अ धकतर गर्म तथा सम शीतोष्ण जलवायु में उगाया जाता है। ये पेड़ अत्य धक लंबा और शाखाओं से रहित होता है। नारियल की कई कस्में होती है। कुछ तरह की कस्मों में 5 साल के बाद फल लग जाते हैं और कुछ ऐसी भी कस्में होती हैं जिनमें 15 साल बाद फल लगते हैं।

वैसे तो ये पूरे वर्ष फल देने वाला पेड़ है, ले कन मार्च महीने से लेकर जुलाई के महीने के बीच इसमें ज्यादा फल उगते हैं और फर 1 साल में ये नारियल के फल पूरी तरह से पक भी जाते हैं।

नारियल के पेड़ प्राकृतिक सुंदरता को बढ़ाते हैं। सारी दुनिया में इसका सबसे अ धक उत्पादन इंडोने शया में होता है और भारत का स्थान नारियल उत्पादन में वश्व में तीसरा है।

**गतिविधियाँ-नारियल के पेड का चित्र बनाए।**